पृष्ठ भूमि, SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि

जिला – शहडोल

पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष योजना (2012–17)

सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल

(मध्यपद्रेश शासन की स्वशासी संस्था)

सी–402, चतुर्थ तल, नर्मदा भवन,

59, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

फोनः 0755–2570216, 2550368, फैक्सः 0755–2570218

ई–मेल : sushasank@gmail.com

विषय सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
अध्याय एक	**पृष्ठभूमि**	
	1.1 सामान्य परिचय	1
	1.2 संक्षिप्त इतिहास एवं दर्शनीय स्थल	2
	1.3 भौगोलिक स्थिति	2
	1.3.1 जिला/विकासखंडवार भौगोलिक स्थिति	
	1.4 प्रशासनिक संरचना	3
	1.5 जलवायु	5
	1.5.1 विकासखंडवार वार्षिक वर्षा	
	1.6 मानव संसाधन–जनसंख्या	5-10
	1.6.1 विकासखण्डवार क्षेत्रफल, नगरीय तथा ग्रामीण जनसंख्या	
	1.6.2 विकासखंडवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या	
	1.6.3 विकासखंडवार ग्रामीण जनसंख्या	
	1.6.4 नगरवार जनसंख्या	
	1.6.5 विकासखंडवार ग्रामों का वर्गीकरण	
	1.6.6 लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात	
	1.6.7 जनसंख्या वृद्धिदर	
	1.7 शिक्षा एवं साक्षरता	10-14
	1.7.1 विकासखंडवार ग्रामीण साक्षरता	
	1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला साक्षरता संबंधित तुलनात्मक आंकड़े	
	1.7.3 जिले में शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों की संख्या	
	1.7.4 विकासखंडवार शालायें एवं विद्यार्थियों की संख्या	
	1.7.5 विकासखण्डवार शालाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या	
	1.7.6 उच्च शिक्षा	
	1.8 स्वास्थ्य	14-16
	1.8.1 विकासखंडवार स्वास्थ्य सुविधाओं का विवरण	
	1.8.2 विकासखण्डवार चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी	

1.8.3 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी

1.9 कृषि 16-19

1.9.1 विकासखंडवार प्रमुख फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल

1.9.2 रोपी गई फसलों का विवरण

1.9.3 विकासखंडवार कृषि भूमि उपयोग

1.9.4 विकासखंडवार भूमि उपयोग

1.10 पशुधन 19-20

1.10.1 विकासखण्डवार पशुधन का विवरण

1.10.2 विकासखंडवार पशु सेवाएं

1.11 सिंचाई 20-21

1.11.1 विकासखण्डवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण

1.12 सड़क एवं रेलमार्ग 21-22

1.12.1 जिले में सड़कों का विवरण

1.12.2 विकासखण्डवार सड़कों का विवरण

1.13 वन 22-23

1.13.1 विकासखंडवार वन भूमि क्षेत्र

1.14 महिला एवं बाल विकास 23-24

1.14.1 विकासखंडवार आंगनवाड़ी केन्द्रों, बच्चों एवं गर्भवती माताओं की संख्या

1.15 पेयजल 24

1.16 सहकारिता 24-25

1.16.1 विकासखण्डवार उचित मूल्य की दुकानों का विवरण

1.16.2 विकासखंडवार सहकारी समितियों का विवरण

1.17 संचार 25-26

1.17.1 विकासखंडवार डाक एवं तार व्यवस्था

1.17.2 विकासखंडवार सामुदायिक सेवा केन्द्र

1.18 विद्युतीकरण 27-28

1.18.1 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामों का विवरण

1.18.2 जिले विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति

1.19 खनिज एवं उद्योग 28-29

1.19.1 जिले में प्रमुख खनिजो का उत्पादन एवं मूल्य

1.19.2 विकासखंडवार लघु उद्योग
1.20 वित्तीय संस्थाएं 29
1.21 रोजगार की स्थिति 31
1.21.1 विकासखंडवार प्रमुख व्यावसायिक समूह
अध्याय दो SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि
2.1 SWOT विश्लेषण 32-36
2.1.1 जिले की ताकत
2.1.2 जिले की कमजोरी
2.1.3 जिले में अवसर
2.1.4 जिले के खतरे
2.2 विकासात्मक दिग्दर्शिका 37
2.3 जिला दृष्टि 37
2.4 जिले के विभिन्न विकासखण्डों की ताकतों, कमजोरियों, अवसरो एवं खतरों का तुलनात्मक विश्लेषण 38-41

अध्याय–एक
जिले की पृष्ठभूमि

1.1 सामान्य परिचय

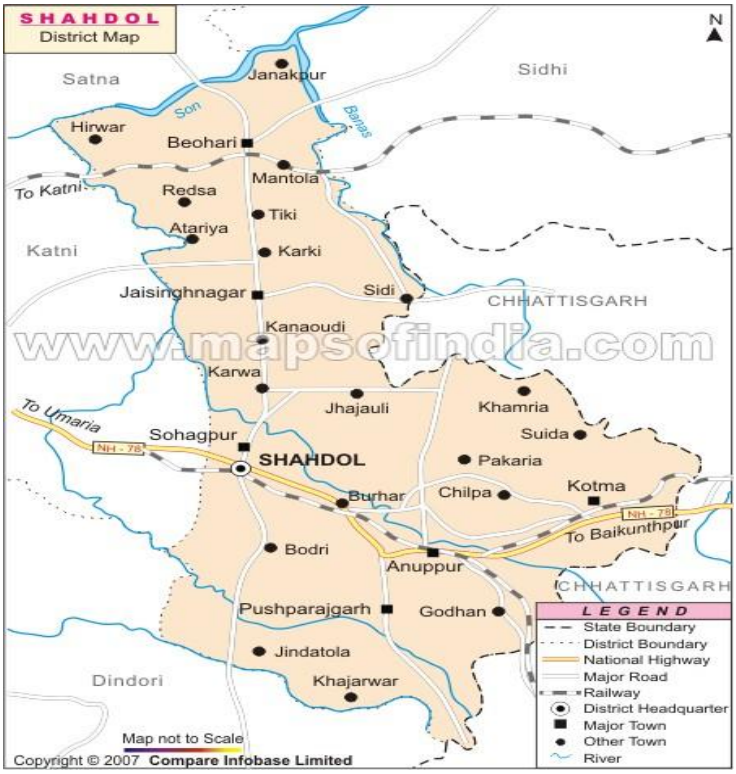

भारत के मध्यप्रदेश राज्य के पूर्वोत्तर भाग में जिला शहडोल स्थित हैं। जिले का विभाजन दिनांक 15.08.2003 को हुआ, जिसके कारण जिलें का क्षेत्रफल 5,533 वर्ग किलोमीटर रह गया। शहडोल जिले से पृथक कर अनूपपुर जिले का गठन किया गया है। शहडोल जिला दक्षिण पूर्व में अनूपपुर, उत्तर पश्चिम में उमरिया जिलों से घिरा हुआ हैं। जिला 170 किलोमीटर दक्षिण से उत्तर तथा 110 किलोमीटर पूर्व से पश्चिम तक फैला हैं। यह जिला $24^{o}20^{'}$ N अक्षांश से और $30^{o}28^{'}$ E देशांतर के बीच स्थित हैं। शहडोल जिले की जनगणना 2011 की जनसंख्या 10,64,989 है। जिले की जनगणना वर्ष 2011 की जनसंख्या का घनत्व 161 प्रति वर्ग किलोमीटर है। जिले से राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्रमांक 78 गुजरता है।

शहडोल जिला मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 592 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। क्षेत्र में मुख्यतः गोंड़, पनिका, कोल, बैगा व अगरिया जातियां हैं। आदिवासी समुदाय में बोलचाल की भाषा में बघेलखण्डी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का मिश्रण है। आदिवासियों का जीवन स्तर बहुत सरल हैं। उनके घर बांस की चिपकी, धान के कोवल, मिट्टी तथा स्थानीय टाइल से बने होते हैं। आदिवासी पुरूष धोती, बंडी, पतोही और सिर में पगड़ी पहनते हैं तथा आदिवासी महिलाये साड़ी (जिसकों स्थानीय भाषा में 'कन्स' साड़ी कहते हैं) पहनती हैं। साड़ी सामान्यतः शरीर के रंग की होती है। आदिवासी समुदायों की

महिलाएं अपने शरीर के अंगों जैसे हाथ, पैर और गले को विभिन्न रंगों से गुदवाती हैं। वे बांस, बीज तथा धातुओं से बने विभिन्न प्रकार के गहने पहनना पंसद करती हैं। क्षेत्र में मुख्य आर्थिक गतिविधियां कृषि एवं मजदूरी है। जिले में ग्रामीण एवं घरेलू धन्धे बहुत सीमित हैं।

1.2 संक्षिप्त इतिहास एवं दर्शनीय स्थल

शहडोल शहर दक्षिण पूर्वी रेल्वे के बिलासपुर कटनी खंड पर स्थित हैं। इस जिले के नाम की उत्पत्ति स्थानीय निवासियों के अनुसार सोहागपुर गांव के एक शहडोलवा अहीर के नाम से हुई है। सोहागपुर के पूर्व इलाकादार परिवार के पूर्वज, जामनी भान बघेलखंड के महाराजा वीरभान सिंह के दूसरे पुत्र थे। उन्होंने सोहागपुर में आसपास के जंगलों को साफ कर रहने का फैसला किया और अधिक सुविधाओं के निर्माण का आश्वासन दिया। यह भी घोषणा की, कि अब से बसने वालों के नाम पर इस स्थान को नामित किया जाएगा। इस घोषणा के बाद माना जाता है कि शहडोलवा अहीर द्वारा सोहागपुर मुख्यालय से 25 किलोमीटर की दूरी पर गांव शहडोलवा को बसाया। कालान्तर में यह स्थान रीवा के महाराजा के शिविर स्थल और ब्रिटिश अधिकारियों के दौरे के लिए हुआ करता था। अधिकाधिक गांवों के समूहों को शामिल कर शहडोल शहर का निर्माण हुआ। वर्ष 1948 में रियासतों के विलय के बाद जिला मुख्यालय शहडोल को उमरिया से अलग कर बनाया गया।

जिले के सोहागपुर वाणगंगा में भगवान शिव का प्राचीन एवं प्रसिद्ध विराटेश्वर मन्दिर स्थित है। इस मन्दिर को कल्चुरी के महाराजा युवराज देव द्वारा 950 ई. एवं 1050 ई. के मध्य गोलकाकी मठ के आचार्य को भेंट करने हेतु निर्माण कराया गया था। पुरातत्वविदों द्वारा इस मन्दिर को कर्ण देव के मन्दिर के रूप में माना जाता है।

1.3 भौगोलिक स्थिति

भौगोलिक दृष्टि से शहडोल जिला पर्वत श्रेणियों एवं नदियों से आच्छादित है, जिसे तीन भूगोलीय भागों में विभाजित किया जा सकता हैः–

1. पर्वत श्रेणियों का भाग,

2. मध्यवर्तीय पठारी भाग एवं

3. नदियों का निचला भाग।

जिला शहडोल मुख्यतः पहाड़ी जिला है। यह जिला साल और मिश्रित वनों से सुरम्य है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5,533 वर्ग किलोमीटर हैं। जिला शहडोल के आसपास डिंडौरी, सतना, सीधी, उमरिया, अनूपपुर और रीवा जिले हैं। शहडोल जिला ढ़क्कन के पठार के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित है। यह जिला सतपुड़ा पर्वत के मैकाल पर्वतमाला, विंध्य पर्वत के कैमोर पर्वतमाला के निचले और झारखंड में छोटानागपुर पठार के समानांतर पहाड़ियों के विराहा पर स्थित है। इन पर्वत श्रेणियों के बीच में सोन नदी और उसकी सहायक नदियों की संकीर्ण घाटी है। कैमोर पर्वतमाला उत्तरी सीमा पार सोन नदी के साथ फैली है।

विकासखंड जयसिंहनगर का भौगोलिक क्षेत्रफल सबसे अधिक 1,509 वर्ग कि.मी. एवं सोहागपुर विकासखंड का 778 वर्ग कि.मी. है।

1.3.1 जिला/विकासखंडवार भौगोलिक स्थिति

शहडोल जिले की समुद्री तल से ऊंचाई 489 मीटर है। ब्यौहारी विकासखंड की समुद्र तल से ऊंचाई 609 मीटर एवं सोहागपुर विकासखंड की ऊंचाई 489 मीटर है।

तालिका 1.3.1 जिला/विकासखंडवार भौगोलिक स्थिति

जिला/ विकासखंड	उत्तरी अक्षांश विस्तार	पूर्वी देशांतर विस्तार	समुद्र तल से ऊँचाई (मीटर)
जिला शहडोल	22.52 उत्तर से 25.41 उत्तर तक	80.10 पूर्व से 82.12 पूर्व तक	489
ब्यौहारी	23.38 उत्तर से 24.20 उत्तर तक	81.00 पूर्व से 81.43 पूर्व तक	609
जयसिंहनगर	24.35 उत्तर से 23.35 उत्तर तक	81.10 पूर्व से 80.40 पूर्व तक	अप्राप्त
सोहागपुर	22.52 उत्तर से 25.41 उत्तर तक	81.10 पूर्व से 82.12 पूर्व तक	489
जैतपुर	22.52 उत्तर से 25.41 उत्तर तक	81.10 पूर्व से 82.12 पूर्व तक	अप्राप्त

(स्रोत : जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2009)

1.4 प्रशासनिक संरचना

जिले में ब्यौहारी, खांड, जयसिंहनगर, एवं बुढ़ार प्रमुख नगर है। जिले में चार तहसीलें यथा– ब्यौहारी, जयसिंहनगर, सोहागपुर एवं जैतपुर है। इन चारों तहसीलों के मुख्यालयो पर जनपद पंचायतों के मुख्यालय एवं सभी महत्वपूर्ण विभाग के अनुविभाग अथवा तहसील स्तरीय कार्यालय है। जिले में पॉच विकासखंड है। शहडोल एवं धनपुरी में

नगर पालिका है। यह जिला 4 राजस्व अनुविभाग से विभाजित है। जिलें में 2 नगर पालिका एवं 4 नगर पंचायते हैं। जिला शहडोल में 392 ग्राम पंचायते है। जिले की प्रशासनिक संरचना का विवरण तालिका 1.4.1 में दर्शाया गया है –

तालिका 1.4.1 जिले की प्रशासनिक संरचना

अनुविभाग	तहसीलें	विकासखंड	नगर पालिका	नगर पंचायते
ब्यौहारी	ब्यौहारी	ब्यौहारी	-	ब्यौहारी खांड
जयसिंहनगर	जयसिंहनगर	जयसिंहनगर	-	जयसिंहनगर
सोहागपुर	सोहागपुर	सोहागपुर गोहपारु	शहडोल	-
जैतपुर	जैतपुर	बुढ़ार	धनपुरी	बुढ़ार

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले की विकासखंडवार प्रशासकीय संरचना तालिका 1.4.2 में दर्शाया गया हैः

तालिका 1.4.2 विकासखंडवार प्रशासनिक संरचना

क्र.	स्थिति	इकाई	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंह नगर	ब्यौहारी
1	स्थापना	दिनांक	2.10.61	2.10.67	20.1.56	2.10.59	2.10.62
2	विकासखण्ड की श्रेणी	श्रेणी	तृतीय– अनु.ज.जा. क.	तृतीय– अनु.ज.जा. क.	तृतीय– अनु.ज.जा. क.	तृतीय– अनु.ज.जा. क.	तृतीय– सामुदायिक
3	कुल ग्राम	संख्या	197	129	163	204	175
	अ. आबाद ग्राम	संख्या	194	125	156	200	145
	ब. राजस्व ग्राम	संख्या	19	125	163	201	145
	स. वीरान ग्राम	संख्या	3	4	7	4	30
4	राजस्व निरीक्षक सर्किल	संख्या	2	2	2	2	2
5	पटवारी हल्का	संख्या	36	17	39	34	34
6	ग्राम पंचायत	संख्या	102	58	77	87	68
7	नगर पंचायत	संख्या	1	0	0	1	2
8	पंचायत श्वन	संख्या	102	58	77	87	68
9	पुलिस स्टेशन	संख्या	3	1	1	1	2
10	पुलिस चौकी	संख्या	1	0	2	अप्राप्त	अप्राप्त
11	औसत वार्षिक वर्षा	मिमी.	1245	1635	अप्राप्त	1635	1637
12	मुख्यालय से निकटतम रेलवे स्टेशन	कि.मी.	1 बुढ़ार	25 शहडोल	2 शहडोल	41 ब्यौहारी	2 ब्यौहारी

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

जिले में कुल 820 आबाद ग्राम एवं 392 ग्राम पंचायतें हैं। गोहपारु विकासखंड में सबसे कम 58 एवं बुढ़ार विकासखंड में सबसे अधिक 102 ग्राम पंचायतें है। ब्यौहारी विकासखंड में 2 नगर पंचायतें, जयसिंहनगर विकासखंड तथा बुढ़ार विकासखंड में एक–एक नगर पंचायतें हैं।

1.5 जलवायु

जिले की जलवायु समशीतोष्ण है। जिले में मैदानों के ऊपर की ऊंचाई अधिक होने से और विस्तृत जंगल होने के कारण गर्मी मध्यम है। वर्षभर तापमान सुखद रहता हैं। ठंड के मौसम के दौरान रात का तापमान हिमांग से नीचे गिरता हैं। गर्म हवा अप्रैल के अंत से पहले ही महसूस की जा सकती हैं। गर्मी के मौसम में रातें अपेक्षाकृत शांत और सुखद रहती हैं। मानसून के दौरान जलवायु बहुत नम रहती हैं। ठंड के कारण कई दिनों तक आकाश में घने बादल छाये रहते है। जिले का अधिकतम तापमान 46 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री तक पहुंच जाता है।

1.5.1 विकासखंडवार वार्षिक वर्षा

शहडोल जिले मे वर्ष 2007–08 मे वार्षिक वर्षा 1130 मि.मी. थी। गोहपारु विकासखंड मे सबसे कम वार्षिक वर्षा वर्ष 2007–08 मे 873 मि.मी. थी। जिले की सर्वाधिक वार्षिक वर्ष 2007–08 मे बुढ़ार विकासखंड मे 1250.4 मि.मी. थी।

तालिका 1.5.1 विकासखंडवार वार्षिक वर्षा का विवरण (मि.मी.)

विकासखण्ड	2005-2006	2006-2007	2007-2008
ब्यौहारी	982.8	982.8	1030.5
जयसिंहनगर	1147.0	1147.0	1210.3
गोहपारु	1014.2	823.0	873.0
सोहागपुर	823.0	1019.4	1069.4
बुढ़ार	1176.2	1200.4	1250.4

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.6 मानव संसाधन – जनसंख्या

जनगणना 2001 के अनुसार जिला शहडोल की ग्रामीण जनसंख्या 9,08,148 है, जिसमें से 4,64,784 पुरूष और 4,43,364 महिलाएं हैं। जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार शहडोल संभाग की कुल जनसंख्या 31,62,307 एवं मध्यप्रदेश राज्य की कुल जनसंख्या

7,25,97,565 है। शहडोल जिले की कुल जनसंख्या में से 3,66,547 अनुसूचित जनजाति और 51,927 अनुसूचित जाति के वर्ग के लोग है। वर्ष 2003 में जिला शहडोल को विभाजित कर नया जिला अनूपपुर बनाया गया है। जनगणना 2011 के अनुसार शहडोल जिले की जनसंख्या 9,08,148 से बढ़कर 10,64,989 हो गई है।

1.6.1 विकासखण्डवार क्षेत्रफल, नगरीय तथा ग्रामीण जनसंख्या

तालिका 1.6.1 विकासखण्डवार क्षेत्रफल, नगरीय तथा ग्रामीण जनसंख्या का विवरण

विकासखण्ड	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या 2001 (हजार)		नगरीय जनसंख्या वर्ष 2001			ग्रामीण जनसंख्या वर्ष 2001		
		पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल
ब्यौहारी	1097	70	68	16558	14373	30931	69886	67517	137403
जयसिंहनगर	1509	78	76	3829	3564	7393	78264	76060	154324
गोहपारु	915	78	47	....	....	....	47209	46085	93294
सोहागपुर	778	128	92	86621	77857	164478	92228	88882	181110
बुढ़ार	1234	138	70	....	...	....	70189	69026	139215
कुल	**5533**	**492**	**353**	**107008**	**95794**	**202802**	**357776**	**347570**	**705346**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले में जयसिंहनगर विकासखंड का क्षेत्रफल सबसे अधिक 1509 वर्ग कि.मी. है एवं सोहागपुर विकासखंड का क्षेत्रफल सबसे कम 778 वर्ग कि.मी. है। जनगणना 2001 अनुसार बुढ़ार जनपद पंचायत में सबसे अधिक पुरूष निवासरत् है एवं सोहागपुर विकासखंड में सबसे कम महिलाएं निवासरत् है। सोहागपुर विकासखंड में नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या सबसे अधिक है।

1.6.2 विकासखंडवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या

तालिका 1.6.2 विकासखंडवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या (वर्ष 2001)

क्र.	जनपद पंचायत	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	कुल जनसंख्या में अनु. जाति का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में अनु. जनजाति का प्रतिशत
1	ब्यौहारी	11833	51993	8.61	37.80
2	जयसिंहनगर	12062	78668	7.82	50.98
3	गोहपारु	6090	58947	6.53	63.18
4	सोहागपुर	10658	97082	6.58	53.60
5	बुढ़ार	11284	79857	8.10	57.36

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

शहडोल जिले की जयसिंहनगर जनपद पंचायत में सबसे अधिक 12,062 व्यक्ति अनुसूचित जनजाति और सोहागपुर जनपद पंचायत में सबसे अधिक 97,082 व्यक्ति अनुसूचित जाति वर्ग के निवास करते हैं। शहडोल जिले मे अनुसूचित जनजाति वर्ग के

सर्वाधिक 63.18 प्रतिशत व्यक्ति गोहपारु जनपद पंचायत में निवास करते हैं। इसी प्रकार शहडोल जिले मे अनुसूचित जाति वर्ग के सर्वाधिक 8.61 प्रतिशत व्यक्ति ब्यौहारी जनपद पंचायत में निवास करते हैं। जयसिंहनगर विकासखंड में अनुसूचित जनजाति का सबसे अधिक जनसंख्या प्रतिशत है, वहीं ब्यौहारी विकासखंड में अनुसूचित जाति का सबसे अधिक जनसंख्या प्रतिशत है।

1.6.3 विकासखंडवार ग्रामीण जनसंख्या का विवरण

तालिका 1.6.3 विकासखंडवार ग्रामीण जनसंख्या का विवरण

क्र.	विकासखण्ड	पुरूष /स्त्री अनुपात	जनसंख्या घनत्व (2001)	जनसंख्या वृद्धि दर (1991–2001)		
		2001	प्रतिवर्ग कि.मी.	पुरूष	स्त्री	कुल
1	ब्यौहारी	966	135	6.06	7.94	6.44
2	जयसिंहनगर	972	102	20.00	24.59	22.20
3	गोहपारु	976	102	17.50	21.05	18.70
4	सोहागपुर	964	233	39.39	43.55	42.92
5	बुढ़ार	983	113	अप्राप्त	1.47	1.09

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

बुढ़ार विकासखंड मे जिले का सर्वाधिक पुरूष/स्त्री अनुपात 983 एवं सोहागपुर विकासखंड मे सबसे कम 964 था। जनगणना वर्ष 2001 मे जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक सोहागपुर विकासखंड मे 233 था।

1.6.4 नगरवार जनसंख्या का विवरण

तालिका 1.6.4 नगरवार जनसंख्या का विवरण

क्र.	नगर	जनसंख्या 1991		जनसंख्या 2001		प्रतिशत वृद्धि 1991–2001	प्रति हजार पुरूष पर स्त्रियां	
		पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री		1991	2001
1	खॉड	4686	3539	5950	4971	32.78	755	835
2	ब्यौहारी	8123	7122	10608	9402	31.26	877	886
3	जयसिंहनगर	3694	3131	3829	3564	8.32	848	931
4	शहडोल	29924	25584	41372	37252	41.64	855	900
5	बुढ़ार	8663	7852	9352	8372	7.32	900	895
6	धनपुरी	21244	18649	23074	20841	10.08	878	903
7	अमलाई	14036	11782	12823	11392	6.20	839	888

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

वर्ष 1991–2001 में नगरीय जनसंख्या में प्रतिशत वृद्धि सबसे ज्यादा शहडोल नगर में 42 प्रतिशत एवं सबसे कम 6.20 प्रतिशत अमलाई नगर में रही। वर्ष 2001 में प्रति हजार

पुरूषों पर स्त्रियों की सबसे अधिक 931 जयसिंहनगर में एवं सबसे कम 835 खांड नगर में रही। जयसिंहनगर विकासखंड में एक नगर 5000–9999 जनसंख्या वाला है। ब्यौहारी विकासखंड में एक नगर 10000–19999 एवं 20000–99999 जनसंख्या वाला है। सोहागपुर में एक नगर 20000–49999 एवं 50000 से ज्यादा जनसंख्या वाला है।

1.6.5 विकासखंडवार ग्रामों का वर्गीकरण

तालिका 1.6.5 विकासखंडवार ग्रामों का वर्गीकरण – जनगणना 2001

क्र.	विकासखण्ड	वीरान ग्राम	200 से कम	200–499	500–999	1000–1999	2000–4990	5000–9999	10000 से अधिक	कुल ग्राम
1	ब्यौहारी	30	17	30	48	37	13	0	0	175
2	जयसिंहनगर	4	27	51	68	49	5	0	0	204
3	गोहपारु	4	15	32	45	30	3	0	0	129
4	सोहागपुर	7	16	32	52	37	18	1	0	163
5	बुढ़ार	3	14	54	58	62	5	0	1	197
	कुल	**48**	**89**	**199**	**271**	**215**	**44**	**1**	**1**	**868**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले के ब्यौहारी विकासखण्ड में सबसे अधिक 30 वीरान ग्राम, 17 ग्राम 200 से कम जनसंख्या वाले एवं 30 ग्राम 200 से 499 के मध्य जनसंख्या वाले हैं। वहीं जयसिंहनगर विकासखण्ड में 68 ग्राम 500–999 जनसंख्या वाले हैं। बुढ़ार विकासखण्ड में सबसे अधिक 62 ग्राम 1000 से 1999 के मध्य जनसंख्या वाले हैं। जिले के 2000–4999 के मध्य जनसंख्या वाले कुल 52 ग्रामों में से सबसे अधिक 18 ग्राम सोहागपुर विकासखण्ड में हैं। सोहागपुर विकासखण्ड में एक ग्राम 5000–9999 जनसंख्या वाला हैं। बुढ़ार विकासखंड में एक ग्राम 10000 से अधिक जनसंख्या वाला है।

1.6.6 लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात

लिंगानुपात का ऑकलन प्रति हजार पुरूष पर महिलाओं की संख्या से है। जनगणना 2001 अनुसार शहडोल जिले का लिंग अनुपात 954 है, जो कि मध्यप्रदेश के लिंग अनुपात से अधिक एवं शहडोल संभाग के लिंग अनुपात से कम हैं। जनगणना 2011 अनुसार शहडोल जिले का लिंग अनुपात 968 है, जो कि मध्यप्रदेश के लिंग अनुपात से अधिक एवं शहडोल संभाग के लिंग अनुपात से कम हैं। इस दशक मे लिंग अनुपात मे वृद्धि शहडोल जिले के विकास के लिये अच्छे संकेत है। वहीं 0–6 वर्ष के बच्चों का लिंग

अनुपात जनगणना वर्ष 2001 के 969 से घटकर जनगणना वर्ष 2011 में 946 हो गया हैं। 0–6 वर्ष के बच्चों के लिंग अनुपात में गिरावट राज्य एवं संभाग स्तर पर भी देखी गई हैं। इस दशक मे शिशु लिंग अनुपात मे गिरावट शहडोल जिले के विकास के लिये अच्छे संकेत नहीं है।

तालिका 1.6.6.1 जनसंख्या, लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात का विवरण

विवरण	2001				2011		
	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	शहडोल जिला	म.प्र.	शहडोल संभाग	शहडोल जिला
कुल जनसंख्या	1028737436	48566242	अप्राप्त	908148	72597565	3162307	1064989
लिंग अनुपात	933	919	962	954	930	974	968
शिशु लिंग अनुपात	अप्राप्त	932	973	969	912	951	946

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

तालिका 1.6.6.2 विकासखंडवार लिंगानुपात का विवरण (वर्ष 2001)

मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
लिंगानुपात	983	976	964	972	966

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

जनगणना 2001 अनुसार जिले के बुढ़ार विकासखंड का लिंगानुपात सबसे अधिक 986 एवं सोहागपुर विकासखंड का सबसे कम 964 है।

1.6.7 जनसंख्या वृद्धिदर

शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि दर जनगणना 2001 अनुसार 17.33 थी जो घट़कर जनगणना 2011 मे 14.64 हो गयी। जनगणना वर्ष 2011 के प्रावधिक आंकडों के अनुसार वर्ष 2001 से 2011 के मध्य शहडोल जिले की जनसंख्या में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं। उपरोक्त अवधि में शहडोल संभाग, म.प्र. एवं भारत की जनसंख्या में क्रमशः 18.3, 20.3 एवं 17.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

तालिका 1.6.7.1 देश, प्रदेश, संभाग एवं जिले का तुलनात्मक जनसंख्या वृद्धिदर का विवरण

विवरण	2001				2011			
	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	शहडोल जिला	म.प्र.	भारत	शहडोल संभाग	शहडोल जिला
वृद्धि दर	21.54	24.3	18.5	18.4	20.3	17.64	18.3	17.3

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

वर्ष 1991–2001 दशक में शहडोल संभाग में वृद्धि दर 18.5 प्रतिशत एवं 2001–2011 दशक में 18.3 प्रतिशत दर्ज की गई। इस प्रकार दो दशकों में शहडोल संभाग

में वृद्धि दर में बहुत कम वृद्धि दर्ज की गई। शहडोल संभाग के दशक वृद्धि दर 1991–2001 मे मध्यप्रदेश के अन्य संभागों की तुलना में सबसे कम है। शहडोल जिले की जनगणना वर्ष 2001 अनुसार, वृद्धि दर 18.4 प्रतिशत थी, जो कि शहडोल संभाग से 0.1 प्रतिशत कम थी। इसी जनगणना वर्ष में मध्यप्रदेश की वृद्धि दर 24.3 प्रतिशत थी। शहडोल जिले की जनगणना वर्ष 2011 अनुसार वृद्धि दर 17.3 प्रतिशत है, जो कि शहडोल संभाग से 1.0 प्रतिशत कम है। इसी जनगणना वर्ष मे मध्यप्रदेश की वृद्धि दर 20.3 प्रतिशत थी। जनगणना 2001 मे संभाग की जनसंख्या वृद्धि दर प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर (17.87 प्रतिशत) से कम है एवं जनगणना 2011 मे संभाग की जनसंख्या वृद्धि दर प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर (14.53 प्रतिशत) से अधिक है।

वर्ष 1951 से 1961, 1961 से 1971, 1971 से 1981, 1981 से 1991 और 1991 से 2001 के लिए जनसंख्या में वृद्धि क्रमशः 6.96, 11.81, 21.10, 29.64 और 17.61 प्रतिशत थी।

तालिका 1.6.7.2 जिले की दशकवार जनसंख्या वृद्धि दर

दशक	जनसंख्या वृद्धि दर
1951-1961	06.96
1961-1971	11.81
1971-1981	21.10
1981-1991	29.64
1991-2001	18.40
2001-2011	17.30

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

चित्रण 1.6.7 प्रदेश एवं संभाग का दशक वृद्धि दरों का चित्रण

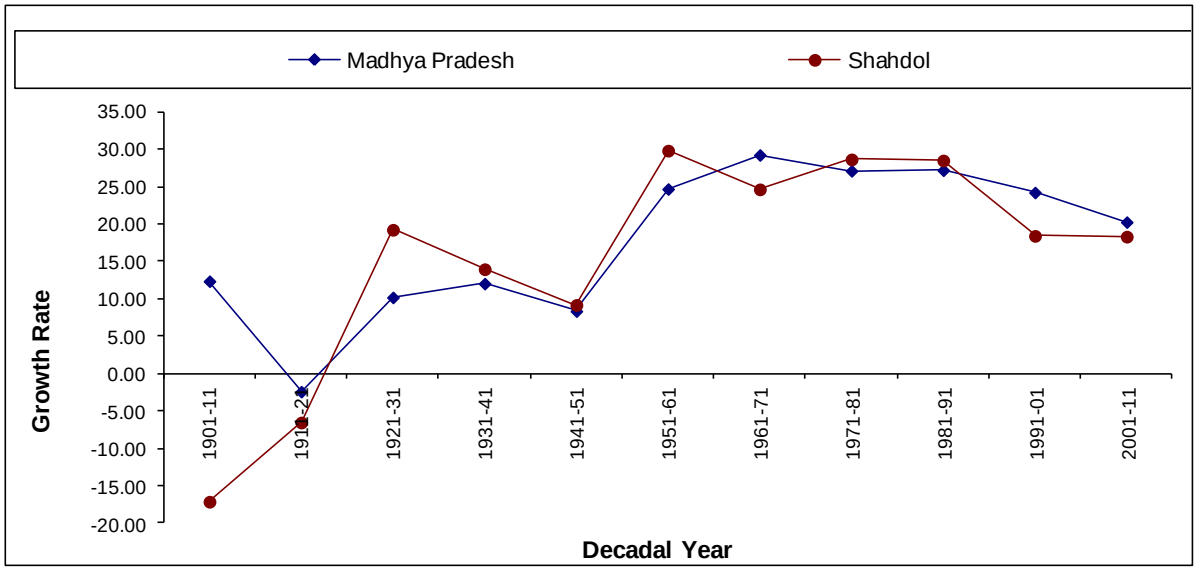

1.7 शिक्षा एवं साक्षरता

1.7.1 विकासखंडवार ग्रामीण साक्षरता

वर्ष 2001 मे जिले की साक्षरता दर 57.59 प्रतिशत थी, जिसमें पुरूष 70.34 प्रतिशत एवं महिलाये 44.17 प्रतिशत साक्षर है। जिले मे प्रौढ़ शिक्षा एवं पढ़ना–बढ़ना आदि शासन की योजनाओं के द्वारा भी शिक्षा का काफी विस्तार हुआ है।

तालिका 1.7.1 विकासखंडवार ग्रामीण साक्षरता (जनगणना 2001, संख्या)

मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
कुल ग्रामीण साक्षर	62691	42756	64594	59528	64352
अ. पुरूष	41321	26853	41471	39054	40997
ब. महिला	21370	15903	23123	20474	23355

(स्रोत – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले में जनगणना 2001 अनुसार कुल 4,31,879 व्यक्ति साक्षर थें, जिसमें से 2,70,430 पुरूष एवं 1,61,449 स्त्रियां थीं। ग्रामीण क्षेत्र मे 2,93,921 तथा 1,37,958 नगरीय क्षेत्र मे साक्षर थे। जिले की साक्षरता मे पुरूषों की तुलना में स्त्रियों में दशक 1991 से 2001 के मध्य बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। सोहागपुर जनपद पंचायत मे सर्वाधिक साक्षर है। इसकी तुलना में गोहपारू जनपद पंचायत मे सबसे कम 42,756 साक्षर है।

1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला संबंधित तुलनात्मक ऑकडें

तालिका 1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला साक्षरता संबंधित तुलनात्मक ऑकडें (प्रतिशत में)

विवरण	2001				2011		
	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	शहडोल जिला	म.प्र.	शहडोल संभाग	शहडोल जिला
साक्षरता	64.84	63.7	57.8	57.6	70.6	67.7	68.4
साक्षरता (पुरूष)	75.26	76.1	71.6	70.3	80.5	78.5	78.3
साक्षरता (महिला)	53.67	50.3	43.4	44.2	60.0	56.6	58.2

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

जनगणना 2001 की तुलना में जनगणना 2011 में साक्षरता की दर शहडोल जिले में 57.6 प्रतिशत से बढ़कर 68.4 प्रतिशत जो कि शहडोल संभाग के 57.8 प्रतिशत तथा 67.7 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। मध्यप्रदेश राज्य से तुलना करने पर भी शहडोल जिला बहुत ही कम प्रतिशत से साक्षरता के क्षेत्र में पिछड़ा है। शहडोल जिले में पुरूष तथा महिला साक्षरता में भी जनगणना 2011 में वृद्धि दर्ज की गई है। जिले स्तर पर पुरूषों एवं महिलाओं की साक्षरता बढ़कर क्रमशः 78.3 एवं 58.2 प्रतिशत हो गई हैं।

1.7.3 जिले में शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों की संख्या

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत एक किलोमीटर की परिधि में हर बच्चे के लिए प्राथमिक स्कूलों की, 03 किलोमीटर की परिधि में माध्यमिक स्कूल, 05 किलोमीटर की परिधि में हाई स्कूल एवं 08 किलोमीटर की परिधि में उच्चतर माध्यमिक स्कूल की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने का प्रावधान है। जिला शहडोल में 1602 प्राथमिक पाठशालाये, 439 माध्यमिक शालायें, 82 हाईस्कूल एवं 81 उच्चतर माध्यमिक शालायें संचालित है।

तालिका 1.7.3 जिले में शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों की संख्या

वर्ष	प्राथमिक शालाएँ		माध्यमिक शालाएँ		हाई स्कूल	
	बालक	बालिकाएँ	बालक	बालिकाएँ	बालक	बालिकाएँ
2004-2005	69197	56646	26941	19444	12572	7248
2005-2006	62733	65832	20796	19020	13236	7642
2006-2007	69898	58005	23077	20553	13475	7988
2007-2008	62707	65376	21915	21715	12670	7719

स्त्रोत : जिला शिक्षा केन्द्र एवं जिला शिक्षा अधिकारी, शहडोल. 2009

यह जिला शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। शासकीय प्राथमिक शाला में कुल 1,25,096 बालक/बालिकायें अध्ययनरत थे, माध्यमिक शालाओं में 53,543 बालक/बालिकायें थीं। हाई स्कूल में 21,136 छात्र/छात्राएं एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 11,545 विद्यार्थी अध्ययनरत थे।

1.7.4 विकासखंडवार शालायें एवं विद्यार्थियों की संख्या

तालिका 1.7.4 विकासखंडवार शालायें एवं विद्यार्थियों की संख्या

क्र.	मद	शहडोल जिला	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	प्राथमिक शालायें	1602	348	210	334	378	332
	विद्यार्थी	125094	24872	14575	27439	27336	30872
2	माध्यमिक शालायें	439	98	71	85	87	98
	विद्यार्थी	53543	11290	6154	10473	11056	14570
3	हाई स्कूल	82	17	7	39	7	12
	विद्यार्थी	21136	5275	1915	8070	1870	4006
4	उच्चतर मा.विद्यालय	81	18	3	31	10	19
	विद्यार्थी	11545	2285	1085	4605	1610	1960

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले के जससिंहनगर विकासखंड मे सर्वाधिक प्राथमिक शालायें जिसमें 27336 विद्यार्थी अध्ययनरत् है। गोहपारु विकासखंड मे सबसे कम विद्यालय है। सर्वाधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल सोहागपुर विकासखंड मे है। शहडोल जिले मे एक भी आश्रम तथा प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र नहीं है। ब्यौहारी विकासखंड मे 14570 विद्यार्थी माध्यमिक शालाओं मे अध्ययनरत् है। इसी प्रकार सोहागपुर विकासखंड मे 8070 विद्यार्थी हाई स्कूल मे अध्ययनरत् है।

1.7.5 विकासखण्डवार शालाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या

जिला शहडोल में वर्ष 2008–09 में प्राथमिक शालाओं में अनुसूचित जाति वर्ग के 12336 तथा जनजाति वर्ग के 72525 विद्यार्थी, माध्यमिक शालाओं में अनुसूचित जाति वर्ग के 4945 तथा जनजाति वर्ग के 24209 विद्यार्थी तथा हाई स्कूल में अनूसूचित जाति वर्ग के 2370 तथा जनजाति वर्ग के 5895 विद्यार्थी अध्ययनरत थे।

तालिका 1.7.5 विकासखण्डवार शालाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या

विकासखण्ड	प्राथमिक		माध्यमिक		हाई स्कूल	
	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अनु.जाति	अनु.जनजाति
जिला शहडोल	12336	72525	4945	24209	2370	5895
ब्यौहारी	3045	15954	1063	3864	425	930
जयसिंहनगर	2815	14934	1004	5778	390	915
गोहपारु	1166	9722	500	4051	330	1040
सोहागपुर	1945	17505	832	5453	710	1380
बुढ़ार	3365	14410	1546	5063	515	1630

स्त्रोत : जिला शिक्षा केन्द्र एवं जिला शिक्षा अधिकारी, शहडोल 2009

1.7.6 उच्च शिक्षा

शहडोल जिले मे 07 महाविद्यालय है, जिसमे से एक–एक महाविद्यालय ब्यौहारी, जयसिंहनगर एवं बुढ़ार तथा चार सोहागपुर विकासखंड मे स्थित है। वही गोहपारु विकासखंड मे एक भी महाविद्यालय नही है। शहडोल जिले के सोहागपुर विकासखंड मे 3 एवं बुढ़ार तथा ब्यौहारी विकासखंड मे एक–एक व्यवसायिक शिक्षण संस्थाऐं स्थापित है, इन व्यवसायिक शिक्षण संस्थाओं मे क्रमशः 725, 10 एवं 15 विद्यार्थी अध्ययनरत् है। जिले

मे निजी क्षेत्र मे कई उद्योग स्थापित है एवं निकट भविष्य मे स्थापित होने की संभावना को देखते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओ की आवश्यकता प्रतीत होती है।

तालिका 1.7.6 विकासखंडवार महाविद्यालय एवं अध्यनरत छात्रों की संख्या

विकासखण्ड	महाविद्यालयो की संख्या			अध्ययनरत छात्र संख्या	व्यवसायिक शिक्षण संस्थायें
	शासकीय	अशासकीय	योग		
ब्यौहारी	1	0	1	1013	1
जयसिंहनगर	1	1	2	402	0
गोहपारु	0	1	1	421	0
सोहागपुर	4	2	6	4462	3
बुढ़ार	1	2	3	294	1

(स्रोत – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्र मे भी संस्थानों को आगे आने की आवश्यकता है, ताकि बेरोजगारी को कम किया जा सके एवं स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जा सके।

1.8 स्वास्थ्य

1.8.1 विकासखंडवार स्वास्थ्य सुविधाओं का विवरण

चिकित्सा सुविधा की दृष्टि से जिले में 9 एलोपैथिक चिकित्सालय, 07 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/औषधालय, 29 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 194 उपस्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है। बुढ़ार विकासखंड में सबसे अधिक 3 एलोपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय संचालित है। ब्यौहारी एवं गोहपारू विकासखंड में केवल एक–एक एलोपैथिक चिकित्सालय संचालित है। गोहपारू विकासखंड में केवल दो ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित एवं एक भी देशी चिकित्सा पद्धति चिकित्सा केन्द्र स्थापित नहीं है। बुढ़ार विकासखंड में एक भी परिवार कल्याण केन्द्र स्थापित नहीं है। गोहपारू विकासखंड में प्रति लाख जनसंख्या पर 32 शैयाओं की संख्या है, जो जिले के अन्य विकासखंडों की तुलना में सबसे कम है। उपस्वास्थ्य केन्द्रों में प्रशिक्षित एवं दक्ष अमले की देखरेख में संस्थागत प्रसव, स्वास्थ्य परीक्षण, एएनसी चैकअप एवं टीकाकरण की गतिविधियां संचालित है।

तालिका 1.8.1 विकासखंडवार स्वास्थ्य सुविधाओं का विवरण

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
	1. एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति					
1	एलोपैथिक चिकित्सालय	2	1	1– 252 शैया	1	1–100 शैया
2	एलोपैथिक औषधालय	1	0	1	1	0
3	अ. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	2–84– शैया	1–30– शैया	1	2–30– शैया	1–100– शैया
	ब. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	7	2	7	6	7
4	उप स्वास्थ्य केन्द्र	48	35	39	41	31
	2. देशी चिकित्सा पद्धति					
	चिकित्सालय एवं औषधालय	6	0	7–130 शैया	6	9
5	**परिवार कल्याण कार्यक्रम**					
	परिवार कल्याण केन्द्र	0	1	1	1	1
	अ. पुरूष नसबंदी	122	183	490	105	113
	ब. महिला नसबंदी	1422	654	1595	950	1375
6	प्रति लाख जनसंख्या पर शैयाओं की संख्या	60	32.15	147	19.43	21.83

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

1.8.2 विकासखंडवार चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की स्थिति

जिले में कुल 678 स्वास्थ्य कर्मचारी कार्यरत् है, जिनमें 58 चिकित्सा अधिकारी (ऐलोपैथी), 296 संक्रामक रोग निवारणार्थ कर्मचारी, 29 स्वास्थ्य निरीक्षक एवं 53 कम्पाउंडर है।

तालिका 1.8.2 विकासखण्डवार चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी

विकासखण्ड	चिकित्सा अधिकारी (ऐलोपैथी)	संक्रामक रोग निवारणार्थ कर्मचारी	स्वास्थ्य निरीक्षक	नर्स	कम्पाउंडर	अन्य	योग
जिला शहडोल	58	296	29	53	22	220	678
ब्यौहारी	07	55	3	06	2	32	105
जयसिंहनगर	09	53	9	03	6	33	113
गोहपारु	02	50	3	06	2	11	74
सोहागपुर	32	68	5	28	7	99	239
बुढ़ार	08	70	9	10	5	45	147

स्त्रोतः मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, शहडोल

जिले में सबसे अधिक चिकित्सा अधिकारी (ऐलोपैथी) सुहागपुर जनपद एवं सबसे कम गोहपारु जनपद में है। इसी प्रकार सबसे अधिक 70 संक्रामक रोग निवारणार्थ

कर्मचारी बुढ़ार जनपद में एवं सबसे कम 50 गोहपारु जनपद में है। बुढ़ार एवं जयसिंहनगर जनपद पचांयत में सबसे अधिक स्वास्थ्य निरीक्षक है।

1.8.3 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी

तालिका 1.8.3 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी

जिला/प्रदेश	ए.एन.सी. की संख्या	कुल प्रसव	मातृ मृत्यु संख्या	शिशु मृत्यु संख्या
शहडोल	30544	26744	27	223
मध्यप्रदेश	1993257	1639849	799	24751

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले मे ए.एन.सी. की संख्या 30544 है एवं कुल 26744 प्रसव हुए है। जिले की मातृ मृत्यु संख्या 27 एवं शिशु मृत्यु संख्या 223 है।

1.9 कृषि

जिले की प्रमुख आर्थिक गतिविधि कृषि है। जिले मे कृषि को लाभ का धन्धा बनाये जाने के लिए जिले स्तर पर कई कृषि आधारित योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

1.9.1 विकासखंडवार प्रमुख फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल

तालिका 1.9.1 विकासखंडवार प्रमुख फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (कि.ग्रा./हेक्टेयर)

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	मुख्य अनाज					
	अ. धान	38107	16941	18006	20637	13543
	ब. गेंहू	1418	1874	5932	3715	9995
	स. ज्वार	70	116	204	843	648
	द. मक्का	2040	1436	3004	2899	1695
	इ. अन्य	3189	2311	3232	6330	3130
2	दालें					
	अ. चना	237	225	1821	389	770
	ब. तुअर	914	1244	1649	2115	1560
	स. उड़द	1601	643	1019	1195	1116
	द. अन्य	234	98	921	229	361
3	तिलहन					
	अ. अलसी	491	204	1070	390	605
	ब. मूंगफली	47	4	36	12	42
	स. सरसों	888	998	754	623	550
	द. सोयाबीन	10	0	1969	1	0
	इ. अन्य	225	78	176	12	92
4	अन्य अखाद्य फसलें	2923	2441	4616	2343	2419
5	कुल योग खाद्य अखाद्य फसलें	51021	27614	41012	41657	35618

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

जिले मे मिट्टी की स्थिति, पथरीली जमीन, सिंचाई सुविधाओं की कमी, वर्षा से सिंचाई पर निर्भरता एवं खेती के पांरपरिक तरीको का उपयोग भी कृषि उत्पादकता को कम करने के प्रमुख कारण है। शहडोल जिले मे मुख्य अनाज अंतर्गत वर्ष 2008–09 मे गेहूं फसल के अंतर्गत 22934 हेक्टेयर, धान फसल के अंतर्गत 107234 हेक्टेयर, ज्वार फसल के अंतर्गत 1881 हेक्टेयर एवं मक्का फसल के अंतर्गत 11074 हेक्टेयर क्षेत्र है। बुढ़ार विकासखंड मे धान के अंतर्गत सर्वाधिक 38107 हेक्टेयर क्षेत्रफल है। गेहूँ के अंतर्गत ब्यौहारी जनपद मे सर्वाधिक 9995 हेक्टेयर क्षेत्रफल है। उड़द दाल की सर्वाधिक उपज 1601 हेक्टेयर बुढ़ार विकासखंड मे है। तुअर दाल सर्वाधिक जयसिंहनगर क्षेत्र मे उगाई जाती है। तिलहन के अंतर्गत सोयाबीन फसल सर्वाधिक 1969 हेक्टेयर सोहागपुर विकासखंड मे होती है। अन्य तिलहन मे अलसी, मूंगफली तथा सरसों मुख्य है। शहडोल जिले में अखाद्य फसलें भी होती है। जिले मे कुल खाद्य एवं अखाद्य फसलों का सर्वाधिक 51021 हेक्टेयर क्षेत्रफल बुढ़ार विकासखंड में है। इसी प्रकार गोहपारु विकासखंड मे सबसे कम क्षेत्रफल 27614 हेक्टेयर है। जयसिंहनगर विकासखंड मे 41657 हेक्टेयर क्षेत्रफल फसलों के अंतर्गत आता है।

1.9.2 रोपी गई फसलों का विवरण

तालिका 1.9.2 रोपी गई फसलों का विवरण (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर)

क्र.	वर्ष	धान	गेहूँ	ज्वार	मक्का	चना	तुअर	मूंगफली	सोयाबीन	सरसों
1	2004-05	110113	21326	2370	12113	3040	8002	91	1695	4430
2	2005-06	108699	24098	2279	11682	4245	7727	80	1679	4434
3	2006-07	108258	22786	2017	11395	3576	8261	83	1844	3863
4	2007-08	107878	21160	1784	11315	3033	7954	141	2362	3480
5	2008-09	107234	22936	1881	11074	3442	7482	141	1980	3713

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले मे खरीफ के मौसम मे मुख्यः एक फसल ही होती है, जो कि धान है। वर्ष 2008–09 में जिले के 1,07,234 हेक्टेयर क्षेत्र मे धान की उपज हुई। अन्य प्रमुख फसलो मे मक्का एवं तुअर है। एक फसल आधारित होने के कारण कृषि को लाभ का धन्धा बनाने मे कठिनाई होती है। अतः दूसरी फसलो को भी खरीफ के मौसम मे लगाये जाने हेतु

प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। नई कृषि तकनीको का प्रयोग एवं जैव कृषि आधारित प्रौद्योगिकी को अपनाया जाने की आवश्यकता है।

1.9.3 विकासखंडवार कृषि भूमि उपयोग

तालिका 1.9.3 विकासखंडवार कृषि भूमि उपयोग (वर्ष 2008–09, हेक्टेयर)

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र	2833	3153	6705	5811	10132
2	शुद्ध सिंचित क्षेत्र	982	1710	6058	3857	8990
3	निजी स्त्रोंतो से सिंचित क्षेत्र	87	893	3082	1818	2055
4	शासकीय स्त्रोंतो से निर्मित कुल सिंचित क्षेत्र	895	817	3021	2039	6935
5	शासकीय स्त्रोतों से निर्मित कुल सिंचाई क्षमता	0	646	954	464	2548

(स्रोत – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले के बुढ़ार विकासखंड मे सर्वाधिक क्षेत्रफल शुद्ध बोये गये फसल के अंतर्गत 40561 हेक्टेयर है एवं गोहपारु विकासखंड मे सबसे कम 24461 हेक्टेयर है। ब्यौहारी विकासखंड मे सर्वाधिक 10132 हेक्टेयर क्षेत्र एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र है। बुढ़ार जनपद मे 982 हेक्टेयर शुद्ध सिंचित क्षेत्र है जो कि अन्य विकासखंडों मे से सबसे कम है। निजी स्रोतों से सिंचित क्षेत्र सोहागपुर विकासखंड मे सर्वाधिक है एवं शासकीय स्रोतों से निर्मित कुल सिंचित क्षेत्र ब्यौहारी विकासखंड मे सर्वाधिक है, जिसकी सिंचाई क्षमता 2548 हेक्टेयर है।

1.9.4 विकासखंडवार भूमि उपयोग

तालिका 1.9.4 विकासखंडवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)

क्र.	जनपद पंचायत	कुल क्षेत्रफल	वन भूमि	पडत भूमि	शुद्ध बुवाई क्षेत्र	द्विफसलीय
1	ब्यौहारी	109509	43689	1202	25486	10132
2	जयसिंहनगर	153243	75376	1370	25846	5811
3	गोहपारु	91143	48775	432	24461	3153
4	सोहागपुर	36160	19410	1316	34247	6705
5	बुढ़ार	125951	40448	2766	40561	3114
	कुल	**516006**	**227698**	**7086**	**119801**	**28915**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

शहडोल जिले का कुल क्षेत्रफल 516006 हेक्टेयर है। जयसिंहनगर विकासखंड के अंतर्गत सर्वाधिक 153243 हेक्टेयर क्षेत्र एवं सोहागपुर विकासखंड के अंतर्गत सबसे कम 36160 हेक्टेयर क्षेत्र भूमि उपयोग के अंतर्गत है। शहडोल जिले का 227698 हेक्टेयर क्षेत्र वन भूमि अंतर्गत है। जिले का 150601 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र शुद्ध बुवाई क्षेत्र के अंतर्गत है। जिले का 28915 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र द्विफसलीय क्षेत्र के अंतर्गत है। ब्यौहारी विकासखंड के अंतर्गत सर्वाधिक 10132 हेक्टेयर क्षेत्र एवं बुढ़ार विकासखंड के अंतर्गत सबसे कम 3114 हेक्टेयर क्षेत्र द्विफसलीय क्षेत्र के अंतर्गत है।

1.10 पशुधन

शहडोल जिले की पशुधन आबादी मुख्य रूप से गाय, भैंस, बकरी, कुक्कुट एवं सुकर है। जिले में आवश्यक हरा चारा एवं सहकारी समितियों की उपलब्धता डेयरी को प्रमुख आर्थिक गतिविधियों के रूप में विकसित होने की अपार क्षमता है।

1.10.1 विकासखंडवार पशुधन का विवरण

तालिका 1.10.1 विकासखंडवार पशुधन का विवरण

विकासखण्ड	गाय + बैल				भैंस	भैंसा	बकरा + बकरी	सुकर	कुक्कुट
	बैल	गाय	बछड़ा	कुल					
ब्यौहारी	30781	43792	30915	105488	1591	10413	25035	725	21544
जयसिंहनगर	52697	32895	32758	118350	8150	9354	24242	588	21389
गोहपारु	30656	17055	16563	64274	6888	6436	14412	128	18870
सोहागपुर	40926	21719	30042	92687	3159	6500	19246	853	26401
बुढ़ार	60996	31683	18637	111316	9097	2140	21354	812	39041
योग	**216056**	**147144**	**128915**	**492115**	**28885**	**34843**	**104289**	**3106**	**127245**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

शहडोल जिले मे पशुधन की स्थिति अच्छी है। जिले मे कुल 492115 गाये तथा बैल एवं 127245 कुक्कुट है। जिले में जयसिंहनगर विकासखंड में सर्वाधिक पशुधन है। जिले मे बकरा तथा बकरी की कुल संख्या 104289 है।

1.10.2 विकासखंडवार पशु सेवाएं

तालिका 1.10.2 विकासखंडवार पशु सेवाएं

विकासखण्ड	चिकित्सालय	औषधालय	उपचारित पशु	बधिया पशु	टीकाकृत पशु	कृत्रिम गर्भधारण केन्द्र	कृत्रिम गर्भधारण पशु
जिला शहडोल	13	60	22966	339	10438	41	1651
ब्यौहारी	4	15	4045	59	1740	11	265
जयसिंहनगर	2	23	4710	67	2890	11	345
गोहपारु	1	7	4275	79	2159	2	396
सोहागपुर	3	5	5113	76	2087	13	474
बुढ़ार	2	10	4021	36	1287	4	122

स्रोत : उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें शहडोल

शहडोल जिले में 13 पशु चिकित्सालय, 60 पशु औषधालय स्थापित हैं, जिनके द्वारा वर्ष 2008–09 में उपचारित पशुओं की संख्या 22966 एवं कृत्रिम गर्भधारण 1651 पशुओं को कराया गया है। जिले मे 41 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र है। जिले मे सोहागपुर विकासखंड मे 13 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र पशुपालन विभाग द्वारा संचालन किये जा रहे है। गोहपारु विकासखंड मे सबसे कम अर्थात् एक पशु चिकित्सालय एवं सोहागपुर विकासखंड मे 5 पशु औषधालय है। शहडोल जिले में पशु सेवाओं के अंतर्गत जयसिंहनगर विकासखंड मे सर्वाधिक 8012 पशु उपचारित किये गये तथा 2890 पशुओं का टीकाकरण किया गया। उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सोहागपुर विकासखंड में पशु सेवाओं के क्षेत्र में सर्वाधिक प्रगति की है। वर्ष 2008–09 में बधिया किये गये पशुओं की संख्या जिले में 339 थी।

1.11 सिंचाई

जिले में सिंचाई हेतु छोटी–छोटी जल संरचनाएँ निर्मित है। इस प्रकार कुल कृषि योग्य भूमि के परिप्रेक्ष्य में सिंचित क्षेत्र भी कम है। शहडोल जिले में सिंचाई की सुविधायें बहुत कम है। शुद्ध बुवाई क्षेत्र का 12.03 प्रतिशत ही शुद्ध सिंचित क्षेत्र है और शेष बारिश से सिंचित क्षेत्र है। जिले में सिंचाई के साधन नहरें, कुऐं, तालाब एवं छोटी सिंचाई सुविधाऐं के रूप में है।

1.11.1 विकासखंडवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण

जिले मे सिंचाई सुविधाओं के अंतर्गत कुल कुँओं की संख्या 2637 है, जिससे 3917 रकबे की सिंचाई की जाती है। जिले में 76 बांध एवं नहरें है, जिनके द्वारा 5420 हे. रकबे

की सिंचाई की जाती है। जिले में 775 नलकूप द्वारा 2855 हे. रकबे की सिंचाई की एवं 718 तालाब द्वारा 5420932 हे रकबे की सिंचाई की कह जाती है। सबसे कम शुद्ध सिंचित क्षेत्र का शुद्ध बोये गये क्षेत्र से प्रतिशत बुढ़ार में है एवं सबसे ज्यादा ब्यौहारी विकासखण्ड में है।

तालिका 1.11.1 विकासखंडवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण (हेक्टेयर मे)

विकासखंड	बांध/नहर		नलकूप		कुंआ		तालाब		अन्य रकबा	शुद्ध सिंचित क्षेत्र का शुद्ध बोये क्षेत्र से प्रतिशत
	संख्या	रकबा	संख्या	रकबा	संख्या	रकबा	संख्या	रकबा		
ब्यौहारी	29	3878	305	1736	869	1277	276	44	2055	35.27
जयसिंहनगर	18	430	190	382	921	989	65	243	1818	10.76
गोहपारु	7	250	31	175	211	270	30	122	893	8.12
सोहागपुर	19	862	213	536	358	1188	154	390	3082	17.69
बुढ़ार	3	0	36	26	278	193	193	133	626	2.42
योग	**76**	**5420**	**775**	**2855**	**2637**	**3917**	**718**	**932**	**8474**	

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

बी.आर.जी.एफ. योजना के माध्यम से नालों में छोटे–छोटे बांध एवं सार्वजनिक कुओं व तालाबों में पम्प की स्थापना/गहरीकरण आदि जैसी योजनायें प्राथमिकता के आधार पर बनाई जा सकती है।

1.12 सड़क एवं रेलमार्ग

शहडोल जिला अधोसंरचना विकास के क्षेत्र जैसे सड़को एवं पुलों के निर्माण मे पिछड़ा है। जिलें में यातायात की दृष्टि से सड़क यातायात अधिक है। जिले से राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्रमांक 78 गुजरता है। जिले में रेल्वे यातायात की सुविधा उपलब्ध है। जयसिंहनगर विकासखंड मे 1, बुढ़ार विकासखंड मे 2 तथा सोहागपुर एवं ब्यौहारी विकासखंड सीमा में 3–3 रेल्वे स्टेशन स्थित है।

1.12.1 जिले में सड़कों का विवरण

तालिका 1.12.1 जिले में सड़कों का विवरण (कि.मी.)

वर्ष	पक्की सड़के			कच्ची सड़के				कुल सड़के
	लो.नि.वि.	स्थानीय निकाय	योग	लो.नि.वि.	स्थानीय निकाय	वन विभाग	कच्ची सड़के	
2006–2007	1658.00	95.10	1753.10	854.24	182.99	2036.20	3073.43	4826.53
2007–2008	1266.80	अप्राप्त	1266.80	383.26	अप्राप्त	अप्राप्त	अप्राप्त	1650.06
2008–2009	623.22	130.57	753.79	125.20	43.28	791.50	959.98	1713.77

स्रोत : लो.नि.वि., जिला शहरी विकास अभिकरण एवं वन मण्डलाधिकारी, दक्षिण/उत्तर वन मण्डल शहडोल

जिले मे कच्ची सड़को की लम्बाई 853 कि.मी. है। सोहागपुर विकासखंड मे सर्वाधिक कच्ची सड़के है।

1.12.2 विकासखंडवार सड़कों का विवरण

तालिका 1.12.2 विकासखंडवार सड़कों का विवरण

क्र.	मद	इकाई	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	कुल कच्ची सड़कें	कि.मी.	190	85	350	131	97
2	सड़कों से जुड़े ग्राम	संख्या	189	140	170	84	85
3	विकासखण्ड की सीमा में स्थित कुल रेल्वे स्टेशन	संख्या	2	0	3	1 छतैनी	3
4	प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई	कि.मी.	26.25	30	32	29	49
5	प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर कच्ची सड़कों की लम्बाई	कि.मी.	28.15	28	38	36	47.50

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले मे सर्वाधिक 49 कि.मी. पक्की सड़क ब्यौहारी तथा सबसे कम 26.25 कि.मी. पक्की सड़कों की लम्बाई प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर बुढ़ार विकासखंड मे है। जिले मे 40 कि.मी. कच्ची सड़कों की लम्बाई प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर है, जिसमे से सर्वाधिक 47.50 कि.मी. कच्ची सड़क ब्यौहारी तथा सबसे कम 28 कि.मी. कच्ची सड़कों की लम्बाई प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर गोहपारु विकासखंड मे है।

शहडोल दक्षिण–पूर्व–मध्य रेल्वे (SECR) का एक महत्वपूर्ण जंक्शन है। यहां की रेलवे प्रणाली यात्री एवं कोयले के परिवहन के लिये अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थान बनाती है।

1.13 वन

जिले का एक तिहाई भाग वन से आच्छादित है। जिले के मुख्य वृक्ष साल, आँवला, सागौन, सरई, बबूल, शीशम आदि हैं। महुआ और गुली के फूल का उपयोग खाद्य तेल बनाने में किया जाता है। जनजातीय लोगों द्वारा महुआ के फूल का उपयोग शराब बनाने के लिए किया जाता है। वनों से गोंद, महुआ, चिंरौंजी, ऑवला तथा आयुर्वेदिक औषधियों से संबंधित वनोपज प्राप्त होता है। जिले में वन क्षेत्र की बाहुल्यता है। वन क्षेत्र 2,27,698 हेक्टेयर है। गैर इमारती लकड़ी जैसे वन उत्पाद कृषि के बाद ग्रामीण लोगों की आय का प्रमुख स्रोत है। इस जिले में साल, ऑवला, सागौन, सराय और शीशम जैसे वृक्ष मुख्यतः पाये जाते है।

1.13.1 विकासखंडवार वन भूमि क्षेत्र

शहडोल जिले के जयसिंहनगर विकासखंड मे सर्वाधिक 75376 हेक्टेयर क्षेत्र वन क्षेत्र अंतर्गत है एवं सबसे कम 19410 हेक्टेयर सोहागपुर विकासखंड मे है।

तालिका 1.13.1 विकासखंडवार वन भूमि क्षेत्र (हेक्टेयर मे)

विकासखण्ड	भौगोलिक क्षेत्रफल	वन क्षेत्र
जिला शहडोल	**516006**	**227698**
ब्यौहारी	109509	43689
जयसिंहनगर	153243	75376
गोहपारु	91143	48775
सोहागपुर	36160	19410
बुढ़ार	125951	40448

(स्रोत – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

1.14 महिला एवं बाल विकास

शहडोल जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत 870 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को पूरक पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, स्कूल पूर्व अनौपचारिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा आदि प्रदान की जाती है। बालिका शिक्षा के लिए आंगनाबाड़ी केन्द्रों पर 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर नाम दर्ज कराया जाता है।

1.14.1 विकासखंडवार आंगनवाड़ी केन्द्रों, बच्चों एवं गर्भवती माताओं की संख्या

जिले मे सर्वाधिक ऑगनवाडी की संख्या बुढ़ार विकासखंड मे 234 एवं सबसे कम गोहपारु विकासखंड मे 112 है। सबसे अधिक आंगनवाड़ी में दर्ज 0–6 वर्ष के बच्चों की संख्या बुढ़ार एवं सबसे कम ब्यौहारी विकासखंड में है। सबसे अधिक आंगनवाड़ी में दर्ज गर्भवती माताओं की संख्या बुढ़ार एवं सबसे कम ब्यौहारी विकासखंड में है।

तालिका 1.14.1 विकासखंडवार आंगनवाड़ी केन्द्रों, बच्चों एवं गर्भवती माताओं की संख्या

क्र.	विकासखण्ड	कुल आबाद ग्रामों	कुल आंगनवाड़ियॉ	आंगनवाड़ी में दर्ज 0–6 वर्ष के बच्चों की संख्या	आंगनवाड़ी में दर्ज गर्भवती माताओं की संख्या
1	ब्यौहारी	145	163	7544	1993
2	जयसिंहनगर	200	185	9113	2413
3	सोहागपुर	156	176	9918	2815
4	गोहपारू	125	112	8087	2327
5	बुढ़ार	194	234	15790	3189
	कुल	**820**	**870**	**50452**	**12737**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

प्रत्येक आंगनवाडी में माह के चतुर्थ मंगलवार को किशोरी बालिका दिवस मनाया जाता है, जिसमे 11 से 15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं वजन लिया जाता है। आयरन एवं फौलिक ऐसिड की गोलियों का वितरण भी किया जा रहा हैं।

1.15 पेयजल

जिले में 6 शहरों अर्थात् जयसिंहनगर, ब्यौहारी, खांड, शहडोल, धनपुरी एवं बुढ़ार में शहरी जल आपूर्ति की जा रही है। शहडोल जिले में सिंचाई और पीने के लिए भूमिगत जल मुख्य स्रोत हैं। शहडोल जिले के जयसिंहनगर विकासखंड मे 200 गॉव हैण्ड पम्प सुविधा युक्त है। गोहपारु विकासखंड मे 125 गॉव हैण्ड पम्प सुविधा युक्त है।

तालिका 1.15.1 विकासखंडवार पेयजल सुविधायुक्त ग्राम

जिला / विकासखण्ड	नलकूप सुविधायुक्त ग्राम	नल जल प्रदाय योजना	जल प्रदाय सुविधा युक्त नगर
जिला शहडोल	**814**	**23**	**6**
ब्यौहारी	137	5	2
जयसिंहनगर	200	2	1
गोहपारु	125	5	0
सोहागपुर	155	7	1
बुढ़ार	197	4	2

(स्रोत : लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, शहडोल)

जिले मे वर्ष 2008–09 मे कुल 814 नलकूप सुविधायुक्त ग्राम थे। जिले में नलजल प्रदाय योजनांतर्गत 23 ग्राम शामिल है। जिसमे से सर्वाधिक 7 ग्राम सोहागपुर विकासखंड मे तथा सबसे कम 2 ग्राम जयसिंहनगर विकासखंड मे नलजल प्रदाय योजनांतर्गत शामिल है। जिले मे जल प्रदाय सुविधायुक्त 6 नगर शामिल है।

1.16 सहकारिता

जिले मे जनता को उचित मूल्य पर खाद्यान्न की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2008–09 मे 403 उचित मूल्य की दुकानें सहकारी एवं खाद्य संस्थाओं के माध्यम से संचालित है, जिनसे चावल, गेहूँ, शक्कर, केरोसीन आदि का वितरण कराया जाता है।

1.16.1 विकासखंडवार उचित मूल्य दुकानों का विवरण

वर्ष 2008–09 में जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 367 एवं शहरी क्षेत्र में 36 उचित मूल्य की दुकाने है। जिले की प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान पर सामग्री अगले माह के लिये

चालू माह के अंत में पहुंच जाती है अर्थात सामग्री उचित मूल्य की दुकान पर वितरण हेतु पूरे माह उपलब्ध है।

तालिका 1.16.1 विकासखंडवार उचित मूल्य दुकानों की संख्या

जिला/विकासखण्ड	उचित मूल्य दुकानों की संख्या	शहरी	ग्रामीण
जिला शहडोल	**403**	**36**	**367**
ब्यौहारी	77	06	71
जयसिंहनगर	93	02	91
गोहपारु	49	00	49
सोहागपुर	94	25	69
बुढ़ार	90	03	87

(स्रोत :– जिला आपूर्ति अधिकारी, शहडोल)

1.16.2 विकासखंडवार सहकारी समितियों का विवरण

तालिका 1.16.2 विकासखंडवार सहकारी समितियों का विवरण (संख्या, लाख रू. में)

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	प्राथमिक कृषि साख समितियां	7	6	7	7	10
2	साख समितियों द्वारा वितरित ऋण	289.00	175.00	435.00	305.00	80.54
3	गैर कृषि साख समितियां	0	0	3	0	0
4	गैर कृषि साख समितियों द्वारा वितरित ऋण	0	0	445.00	0	0

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

ब्यौहारी विकासखंड में सबसे अधिक 10 प्राथमिक कृषि साख समितियां है एवं सोहागपुर विकासखंड की साख समितियों द्वारा सर्वाधिक ऋण रू. 435 लाख वितरित किया गया है। जिले में केवल सोहागपुर विकासखंड में तीन गैर कृषि साख समितियां है, जिनके द्वारा रू. 445 लाख ऋण वितरित किया गया है।

1.17 संचार

जिले में दूरसंचार का बुनियादी ढाँचा संतोषजनक है। बी.एस.एन.एल., एयरटेल और ऑइडिया जैसे संचार कम्पनियां, मोबाईल एवं लैंडलाईन कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रही है। लगभग सभी पंचायत मुख्यालय दूरभाष के माध्यम से जुड़े हुए हैं, लेकिन कुछ अत्याधिक पिछड़े क्षेत्रों में अभी भी दूरभाष की उपलब्धता नहीं है। ग्रामों में दूरभाष की उपलब्धता तो है, लेकिन लाईने अक्सर खराब रहती है।

1.17.1 विकासखंडवार डाक एवं तार व्यवस्था

शहडोल जिले में एक प्रधान डाकघर और 137 डाकघर तथा उनकी शाखाएं काम कर रही है। जिले में 5725 टेलीफोन कनेक्शन है। सोहागपुर विकासखंड मे सर्वाधिक 4150 एवं जयसिंहनगर विकासखंड मे सबसे कम 275 टेलीफोन कनेक्शन है। जिले मे तारघर की संख्या 8 है। गोहपारु विकासखंड मे एक भी तारघर स्थित नहीं है।

तालिका 1.17.1 विकासखंडवार डाक एवं तार व्यवस्था

विकासखण्ड	प्रधान डाकघर	प्राथमिक / उप डाकघर	शाखा कार्यालय	प्रति डाक घर पर सेवित जनसंख्या	तारघर	टेलीफोन कनेक्शन
जिला शहडोल	**1**	**5**	**98**	**37077**	**8**	**5725**
ब्यौहारी	0	2	40	5089	1	410
जयसिंहनगर	0	1	19	8573	1	275
गोहपारु	0	1	13	5183	0	350
सोहागपुर	1	0	15	9532	3	4150
बुढ़ार	0	1	11	8700	3	540

स्त्रोत :– अधीक्षक, मुख्य डाक घर शहडोल

1.17.2 विकासखण्डवार सामुदायिक सेवा केन्द्र

जिले में कुल 329 सामुदायिक सेवा केन्द्र आईसेक्ट एवं एम.पी. ऑनलाईन द्वारा स्थापित किये गये है, जिनमें से सोहागपुर विकासखंड में सबसे अधिक 80 एवं गोहपारू विकासखंड में सबसे कम 69 सामुदायिक सेवा केन्द्र स्थापित है।

तालिका 1.17.2 विकासखण्डवार सामुदायिक सेवा केन्द्र का विवरण

क्र.	विकासखंड	आईसेक्ट केन्द्र	एम.पी. ऑनलाईन केन्द्र	कुल
1	ब्यौहारी	41	28	69
2	जयसिंहनगर	37	33	70
3	गोहपारु	21	29	50
4	सोहागपुर	34	46	80
5	बुढ़ार	36	24	**60**
	कुल	**169**	**160**	**329**

(स्रोत्र – आईसेक्ट एवं एम.पी. ऑनलाईन बेवसाईट)

1.18 विद्युतीकरण

1.18.1 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामों का विवरण

शहडोल जिले में एक 132 के.वी. विद्युत उप स्टेशन एवं नौ 33/11 के.वी. विद्युत उप स्टेशन कार्यरत है, जो जिले को कुशल आपूर्ति एवं बिजली का उचित वॉल्टेज प्रदान करने के लिए कार्यरत हैं। जिले के कुल आबद ग्रामों में से 95 प्रतिशत से अधिक ग्रामों का विद्युतीकरण किया जा चुका है, शेष ग्रामों को भी विद्युतीकृत करने की कार्यवाही की जा रही है। जिले में कुल आबाद ग्रामो की संख्या 820 है, जिसमें से विद्युतीकृत ग्रामो की संख्या 789 है। सर्वाधिक 194 विद्युतीकृत ग्राम जयसिंहनगर विकासखंड मे एवं सबसे कम 124 गोहपारु विकासखंड मे स्थित है। सोहागपुर विकासखंड में 155 एवं ब्यौहारी विकासखंड में 138 विद्युतीकृत ग्राम है। जिले में अविद्युतीकृत ग्रामों का विद्युतीकरण और विद्युतीकृत ग्रामों का सघन विद्युतीकरण का कार्य राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना में किया जा रहा है।

तालिका 1.18.1 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामों का विवरण

क्र.	जनपद पंचायत	आबाद ग्राम	विद्युतीकृत ग्राम
1	ब्यौहारी	145	138
2	जयसिंहनगर	200	194
3	गोहपारु	125	124
4	सोहागपुर	156	155
5	बुढ़ार	194	178
	कुल	**820**	**789**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

विद्युत कनेक्शन की बड़ी संख्या को बनाये रखने के लिए आवश्यक बुनिदायी सुविधाओं की कमी के कारण विद्युतीकृत घरों का कम प्रतिशत होना ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की कम खपत का मुख्य कारण है। गांवों और मजरा टोलों में बिजली की समुचित बुनियादी सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण किसान कृषि के लिए पम्प का उपयोग करने में असमर्थ है और सिंचाई के लिए भूमिगत जल का दोहन करने में अक्षम हैं।

1.18.2 विकासखंडवार विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति

तालिका 1.18.2 विकासखंडवार विद्युत व्यवस्या (संख्या)

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	ग्रामीण विद्युत उपभोक्ता	18550	5328	25355	6205	1309
2	विद्युत पम्प सेट्स	123	20	391	958	1093
3	नलकूप ट्यूब वेल	89	31	390	190	305

(स्रोत्र – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

तालिका 1.18.3 श्रेणीनुसार विद्युत उपभोग (हजार कि.वा.हा.) (2008-2009)

घरेलु	व्यवसायिक (गैर– घरेलु)	औद्योगिक	जल प्रदाय	सिंचाई (कृषि)	सड़क बत्ती	कुल विद्युत उपभोग	कुल विद्युत उपभोक्ता	प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग
26.54	5.68	3.14	0.13	9.50	0.99	45.98	68339	67.28

स्त्रोत : म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. शहडोल

शहडोल जिले मे वर्ष 2008–09 मे 56747 कुल ग्रामीण विद्युत उपभोक्ता थे एवं प्रति व्यक्ति विद्युत 67.28 यूनिट था। जिले में अभी तक 2585 पम्पसेटो का ऊर्जीकरण किये जा चुके हैं।

1.19 खनिज एवं उद्योग

जिला शहडोल अपनी खनिज संसाधनों में बहुत समृद्ध है। जिले में कोयले की खदानें बहुतायत में हैं, जिनका कोयला गुणों में उत्कृष्ट है। कोयला जिले के दक्षिणी हिस्से से पाया जाता है। जिला कोयला खानों के कारण राज्य के राजस्व में प्रमुख भूमिका के रूप में योगदान देता है। कोयले के अलावा यहॉ फायर–क्ले, लाल और पीला गेरू और पत्थर की खाने है। विभिन्न घटकों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :–

1. कोयला – जिले का महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र सोहागपुर कोयला क्षेत्र है। कोयला क्षेत्र 3100 वर्ग किलोमीटर है। चार कोयला परते निचले बराकर्स पर तथा कुछ परतें ऊपरी बराकर्स से दर्ज की गई है। ऊपरी बराकर्स की तुलना में निचले बराकर्स के कोयले में कम राख सामग्री और बेहतर गुणवत्ता है। सामान्य यहाँ पाया जाने वाला कोयला कम श्रेणी, उच्च नमी, उच्च वाष्पशीलता और गैर कुकिंग प्रकार का है। इस क्षेत्र से 4064 मि.टन आरक्षित कोयले का अनुमान लगाया गया है।
2. मिट्टी (क्ले) – अच्छा प्लास्टिक मिट्टी जामुनी और हिनोता के पास जमा है।
3. गेरू – शहडोल जिले में बगाईया में गेरू की खदानें हैं।

4. पत्थर (मार्बल) – पत्थर की खदानें पसगढ़ी, बगदरी और पपरेदी गांवों के निकट पाई जाती है।

1.19.1 जिले में प्रमुख खनिजों का उत्पादन एवं मूल्य

तालिका 1.19.1 जिले में प्रमुख खनिजो का उत्पादन एवं मूल्य

(उत्पादन मै. टन में एवं मूल्य लाख रूपये में)

जिला	2007–2008		2008–2009	
	उत्पादन	मूल्य	उत्पादन	मूल्य
कोयला	3398	3390	3985	3984
पत्थर (गौण)	419280	283	705800	430
गेरू–लाल मिट्टी (प्रमुख)	590	1.04	120	0.36
रेत (गौण)	131822	52.72	109730	38.18
मुरम (गौण)	327300	81.82	424260	220

(स्त्रोत : खनिज अधिकारी, जिला कार्यालय, शहडोल)

उद्योगों की स्थापना से क्षेत्र का विकास होता है एवं शिक्षित नवयुवकों को रोजगार के अवसर मिलते है। क्षेत्र में उपलब्ध खनिज प्रदार्थ से रॉयल्टी के रूप में राजस्व की प्राप्ति भी होती है, जिसका उपयोग जिले के विकास कार्यों में वित्तीय पोषित करने में मदद मिलली है। जिले में रेत, मुरम, पत्थर एवं मिट्टी प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं, जो क्षेत्र के निर्माण अधोसंरचना के विकास में जरूरी कच्चे माल के रूप में उपयोगी है।

1.19.2 विकासखंडवार लघु उद्योगों की स्थिति

तालिका 1.19.2 विकासखंडवार लघु उद्योग (संख्या)

क्र.	मद	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	वनोपज पर आधारित उद्योग	0	0	1	0	0
2	पारंपरिक उद्योग	8	2	42	5	14
3	साप्ताहिक हाट बाजार	9	3	5	8	2

सोहागपुर विकासखंड में वनोपज पर आधारित एक उद्योग स्थापित है एवं 42 पारंपरिक उद्योग स्थापित है। बुढ़ार विकासखंड में सर्वाधिक 9 साप्ताहिक हाट बाजार है तथा ब्यौहारी विकासखंड में सबसे कम 2 साप्ताहिक हाट बाजार है। बुढ़ार विकासखंड में विंध्य चूना कम्पनी एवं जयसिंहनगर विकासखंड में सोनाचल चूना कम्पनी संचालित है। बुढ़ार विकासखंड में ग्लास कारखाना भी संचालित है। सोहागपुर विकासखंड में सर्वाधिक कोयला खाने है। सोहागपुर विकासखंड में डोलोमाईट भी बहुतायत में पाया जाता है। ब्यौहारी विकासखंड में मिट्टी (क्ले) की सर्वाधिक खाने है। पेंट के कारखाने शहडोल जिले में लगाये जाने की अच्छी संभावना है। जिले में पत्थर को काटने एवं चमकाने के कारखानों को लगाये जाने की भी अच्छी संभावना है।

1.20 वित्तीय संस्थायें

जिले में वित्तीय सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए 61 बैंक है। सहकारी क्षेत्र के अन्य बैंक जैसे जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, भूमि विकास बैंक एवं शहडोल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की शाखाएं स्थापित हैं। जिलें में इन बैंको के माध्यम से कृषकों एवं बेरोजगारो को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाकर स्वरोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया जाता है। जिले के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में गैर सरकारी संस्थाओं एवं वित्तीय संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं। सहकारी संस्थाऐं जिले में अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण, खाद, बीज और कृषि आदानों की व्यवस्था, शहरी साख व्यवस्था, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण, शहरी उपभोक्ता सहकारिता, आवास सहकारिता एवं मत्स्य, डेयरी, वनोपज, बुनकर तथा खनिजकर्म वैधानिक कार्य की गतिविधियों का संचालन कर रही है। सहकारिता क्षेत्र में ग्रामीणों को अल्पकालीन साख सुविधा सुनिश्चित करने के लिये मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक सहित जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियॉ कार्य करती है। इसी प्रकार दीर्घकालिक साख व्यवस्था के अंतर्गत म.प्र. राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों के माध्यम से दीर्घकालीन ऋण वितरित किया जाता है।

तालिका 1.20.1 विकासखंडवार वाणिज्यिक/सहकारी बैंको के संचालन की स्थिति

क्र.	मद	जिला शहडोल	बुढ़ार	गोहपारू	सोहागपुर	जयसिंहनगर	ब्यौहारी
1	वाणिज्यिक बैंक	30	6	3	11	4	6
2	सहकारी बैंक	8	2	1	1	1	3
3	ग्रामीण बैंक	23	5	1	6	8	3

(स्रोत – जनपद पंचायत के प्रमुख आकड़े, 2009)

शहडोल जिले में कुल 30 वाणिज्यिक बैंक एवं उसकी शाखाएं कार्यरत् है, जिसमें सर्वाधिक 11 सोहागपुर विकासखंड में स्थित है। जिले में कुल 8 सहकारी एवं 23 ग्रामीण बैंक संचालित है। सर्वाधिक सहकारी बैंक ब्यौहारी विकासखंड में एवं एक ग्रामीण बैंक गोहपारू विकासखंड में स्थित है।

1.21 रोजगार की स्थिति

1.21.1 विकासखंडवार प्रमुख व्यावसायिक समूह

शहडोल जिले मे कुल 88926 पुरूष एवं 44,247 महिला कृषक है। सर्वाधिक कृषक संख्या बुढ़ार विकासखंड मे है। खेतीहर मजदूरों की सबसे कम संख्या गोहपारु विकासखंड मे है। सर्वाधिक पुरूष बुढ़ार विकासखंड में एवं सर्वाधिक महिलाऐं ब्यौहारी विकासखंड मे कुटीर उद्योगों से संबंधित है। जिले में लगभग 60 प्रतिशत व्यक्ति विभिन्न रोजगारमूलक गतिविधियों जैसे कृषि, खेतिहर मजदूरी, पारिवारिक उद्योग आदि से जुड़े हुए हैं। जिला शहडोल में सबसे अधिक व्यक्ति खेतीहर मजदूरी से जुड़े हुए हैं।

तालिका 1.21.1 विकासखंडवार प्रमुख व्यावसायिक समूहो का विवरण

क्र.	विकासखण्ड	कृषक		खेतीहर मजदूर		कुटीर उद्योग		अन्य		रोजगार की स्थिति (प्रतिशत)
		पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	
1	ब्यौहारी	14940	9044	12038	14609	1467	973	5961	1588	50.83
2	जयसिंहनगर	20441	10541	16009	22527	1263	675	4251	1227	49.85
3	गोहपारु	13870	8292	9821	13654	1031	681	3274	1733	56.11
4	सोहागपुर	14897	5398	14070	17043	742	306	13881	3647	38.37
5	बुढ़ार	23678	10557	14839	21564	1580	646	5917	1174	57.43
	कुल	**87826**	**43832**	**66777**	**89407**	**6083**	**3281**	**33284**	**9369**	

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिला शहडोल मे खेती के अतिरिक्त आजीविका के अन्य स्रोतों की संभावनाओं को तलाशने की आवश्यकता है। आजीविका मे कुटीर उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान है।

अध्याय – 2
SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि

मध्यप्रदेश में बी.आर.जी.एफ. योजना के तहत् चयनित जिला शहडोल में जिला स्तर के साथ–साथ विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं विभाग प्रमुखों के साथ कार्यशालायें आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में जनपद एवं नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय कर्मचारियों को बी.आर.जी.एफ. योजना अंतर्गत निर्माण हेतु संवेदनशील किया गया। गांवों एवं कस्बों के आधारभूत सर्वे तथा स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उनकी जरूरतों एवं आकांक्षाओं की पहचान कर ही जिले के सर्वागीण विकास की योजना बनाई जा सकती है। पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष योजना के द्वारा अधोसंरचनात्मक अन्तर को कम करने, उपलब्ध संसाधनों तथा जिले की ताकतों के साथ प्रस्तावों की प्राथमिकता निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है।

बी.आर.जी.एफ. योजनान्तर्गत लोकोन्मुखी कार्ययोजना निर्माण, राज्य योजना आयोग के द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि आने वाले समय में नियोजन की प्रक्रिया को और मजबूत बनायेगा। इस तरह के नियोजन में स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी के साथ स्थानीय जरूरतों के आधार पर विभिन्न परिस्थितियों का विश्लेषण कर विकास कार्यो की दिशा तय होती है।

विभिन्न जनपदों में सरपंच, सचिव, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, जनपद पंचायतों के प्रतिनिधि के अलावा स्थानीय विधायकों एवं सांसदों/सासंद प्रतिनिधियों द्वारा भी कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई गई, जो कि लोकोन्मुखी कार्ययोजना विकास हेतु अतिआवश्यक थी। बी.आर.जी.एफ. योजना के नियोजन में विधायकों एवं सांसदों का जुडाव होने से भविष्य में नियोजन की प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। कार्यशाला में मुख्य रूप से पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष के तहत् अगले पांच वर्षो में नगरीय निकाय में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि क्षेत्रों में अधोसंरचना, आजीविका एवं मानव क्षमता विकास की संभावनाओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। नगरीय क्षेत्र की कार्यशाला में नगर के

विधायक, नगर प्रशासक, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर के जागरूक नागरिक और स्थानीय पत्रकार आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के प्रारम्भ में संस्था ने पिछड़ क्षेत्र अनुदान कोष (बी.आर.जी.एफ.) योजना क्या है और इसे भारत सरकार ने क्यों चालू किया है तथा पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष में जिलों का चयन किन आधारों पर हुआ है आदि पर सभी नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की समझ बनाई गई। पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष (बी.आर.जी.एफ) योजना के तहत् नगरीय निकायों के पंचवर्षीय (वर्ष 2012–2017) नियोजन पर खुली चर्चा में सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने अपने–अपने सुझाव दियें जैसे नगर में रोजगार की संभावनाए तो है, लेकिन जरूरी अधोसंरचना जैसे सब्जी बाजार, अन्य वर्गीकृत बाजार आदि नहीं है, इसके साथ–साथ कुछ नागरिकों ने नगर की नलजल योजना का विस्तार और नये फिल्टर प्लांट लगाने पर जोर दिया, कुछ नागरिकों ने शिक्षा के विकास के लिये हॉस्टल और नये कॉलेज की मांग की।

जिला शहडोल आदिवासी बाहुल्य कृषि प्रधान जिला होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा संचालित गतिविधियों का ध्यान भी आदिवासी वर्ग के कल्याण एवं कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर केन्द्रित है। जिले में प्रशासन की प्राथमिकता के बिन्दु निम्नानुसार है–

1. कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाना।
2. ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराकर पलायन रोकना।
3. जिले में स्वास्थ्य सेवायें की सहज उपलब्धता सुनिश्चित कराना।
4. जिले में शिक्षा की गुणात्मकता में वृद्धि करना।
5. जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सुसंचालन।
6. बुनियादी संरचना यथा– सिंचाई, सड़क आदि की व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विकास के कार्यक्रमों को गति प्रदान करना।
7. जन समस्याओं के निराकरण हेतु एक बेहतर व्यवस्था बनाना।
8. जिले में ग्राम पंचायत संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण कर उन्हें गतिविधि एवं आस्था का केन्द्र बनाना।

2.1 ताकतों, कमजोरियों, अवसरों एवं खतरों (SWOT) विश्लेषण

शहडोल जिलें में अपने विकास की ताकत एवं कमजोरी जैसे दोनों पक्ष हैं। जिला अविकसित होने के कारण कमजोरियां ज्यादा है, इसकी तुलना में ताकत कम है। बाहरी वातावरण के विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जिले में कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों की उपलब्धता होने के कारण जिले को विकसित करने की अपार क्षमता है। जिले में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की जनसंख्या अधिक है। अतः इनके विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कुछ प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों के विकास पर अगर उचित ध्यान दिया जाये तो जिले का विकास तेज गति से हो सकता है।

दृष्टि निर्माण के परिपेक्ष्य में पिछड़ेपन के कारणों को पहचानना ही काफी नहीं, बल्कि यह विष्लेषण करना भी जरूरी है कि पिछड़ेपन को दूर करने के दृष्टिकोण से जिले के भीतर कौन से अवसर उपलब्ध है तथा किस प्रकार के खतरे सामने आ सकते है। इसके अतिरिक्त संस्थागत रूप से जिले की क्या ताकत है तथा किस प्रकार की कमजोरियां है, इसे भी आंकलित करना जरूरी है।

अवसर और खतरों की पहचान बाह्य वातावरण में की जाती है तथा ताकत एवं कमज़ोरियों को अपने भीतर देखा जाता है। उदाहरण के लिए जिले के मुख्य पिछड़ेपन यानि महिला एवं बाल कल्याण की पिछड़ी स्थिति को दूर करने के परिपेक्ष्य में यह विष्लेषण करना होगा की जिले में ऐसे कौन–कौन से अवसर उपलब्ध है जो इस पिछड़ेपन को दूर करने में मद्द करेंगे साथ ही यह भी देखना होगा कि इस दिषा में कौन–कौन सी चुनौतियां/खतरे सामने खड़े है। एकत्रित आंकडों के विश्लेषण के उपरांत जिले की ताकत, कमज़ोरियां, अवसर एवं चुनौतियों के निम्न बिन्दु निकलकर सामने आए हैः–

2.1.1 ताकतें

जिले को मजबूत एवं बेहतर बनाने के लिए उसकी ताकतों का विश्लेषण सही अर्थों में करके उन्हें पहचानना अतिआवश्यक है, जो मौजूदा स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। ये ताकतें निम्नानुसार हैं –

1. जिले में कोयला जैसे महत्वपूर्ण खनिज का बहुतायत में उपलब्धता।
2. जिले में दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से बड़ी संख्या में (310902) दुधारू पशुधन का होना।
3. जिले में एक तिहाई भौगोलिक क्षेत्र में वनों का होना।
4. अच्छी गुणवत्ता वाली इमारती लकड़ी एवं लघुवनोपज का होना।
5. जिले में मिथेन गैस की उपलब्धता होने के कारण विद्युत उत्पादन की संभावना।
6. जिले में औसत वर्षा 1000 से 1300 मि.मी. तक होने के कारण नदी–नालों में पर्याप्त पानी होना।
7. व्यापारिक दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्ग एवं मुख्य रेल्वे लाइन मुंबई–हावड़ा मार्ग से जुड़ा होना।
8. जिले में 1695 कि.मी. पक्के आंतरिक मार्गों का होना।
9. बाहरी वित्त पोषित परियोजनायें जैसे मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना एवं जिला गरीबी उन्मूलन परियोजना का संचालन।

2.1.2 कमजोरी

जिले में अधिक विकास की पूरी संभावनाएं मौजूद हैं, परंतु इनको पूरा करने के लिये जिले में कई ऐसी कमजोरियां हैं, जिनकी वजह से विकास की गति बढ़ाने में कठिनाईयां आ रही हैं। जिले की उल्लेखनीय कमजोरिया इस प्रकार हैं –

1. जिले में कृषि सिंचित क्षेत्र मात्र 12.32 प्रतिशत का होना।
2. अच्छी बरसात होने एवं नदी, बरसाती नालों में पानी होने के बाद भी सिंचाई सुविधाओं का विकास न होना।
3. मध्यम एवं वृहद उघोगों का नहीं होना।
4. कृषि का मानूसन पर निर्भरता।

5. जिले के कृषि भूमि का अधिक लाभ लेने की दृष्टि से द्विफसलों में कम उपयोग होना।
6. महिला साक्षरता (कुल दर 44.17 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्र में 37 प्रतिशत) का कम होना।
7. घरेलू एवं लघु उद्योगों का सीमित विकास होना।
8. लघु वनोपज एवं कृषि उत्पादों की बिक्री व्यवस्था का विकास नहीं होना।

2.1.3 अवसर

जिले के विकास के लिये उसकी ताकत एवं कमजोरी को पहचानना जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण है, अवसरों को चिन्हित करके सशक्त कार्ययोजना का निर्माण करना ताकि उन अवसरों को विकास के रूप में बदला जा सके। जिले के उल्लेखनीय अवसर इस प्रकार हैं –

1 उच्च गुणवत्ता की पाये जानी वाली इमारती लकड़ियों का मूल्य संवंर्धन कर व्यवसायिकप्रद बनाना।

2 लघु वनोपज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना।

3 भूमि के सघन उपयोग के लिये द्विफसलीय क्षेत्र को बढ़ावा देना।

4 वर्षा जल का उचित प्रबंध करके कृषि सिंचित क्षेत्र का विस्तार करना।

5 दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दृष्टि से पशु संवर्धन को बढ़ावा देना।

6 विभिन्न संचार माध्यम एवं विद्युत क्षेत्र जैसे पवन उर्जा में विकास के अवसर।

7 युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये इंटरनेट केयास्क शहरी एवं अर्द्ध–शहरी क्षेत्र में या ग्रामीण क्षेत्र में भी लगाये जा सकते हैं। इससे स्वरोजगार के साथ सूचना उद्योग का विस्तार होना।

2.1.4 खतरे

1. आजीविका के अवसरों एवं मौसम के अनुसार रोजगार में कमी के कारण जिले से मुंबई, नागपुर जैसे बड़े शहरों की ओर लोगों का पलायन होना।
2. विद्युत ऊर्जा की कम एवं अपर्याप्त आपूर्ति होना।
3. निरंतर कोयला उत्खनन से क्षेत्र में पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ने का खतरा।

4. महिलाओं में शिक्षा का अभाव होने से महिला समानता एवं लिंग अनुपात में पिछड़ने का खतरा।
5. सीमा क्षेत्र के गॉवों में आवंछित गतिविधियों के बढ़ने की संभावना।

2.2 विकासात्मक दिग्दर्शिका

यह दस्तावेज स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि शहडोल जिला सामाजिक, मानवीय एवं आर्थिक दृष्टि से राज्य के औसत से कम है। सभी संदर्भों में – कृषि, उद्योग एवं सेवाओं का औसत, राज्य के औसत से कम तथा इसकी विकास दर भी कम है। यह दस्तावेज इन सभी बातों को देखते हुए विकास के नये अवसर दिये जाने की प्रेरणा देता है। जिले के विकास में निम्नलिखित क्षेत्रो को शामिल किया जाना चाहिए –

प्रमुख क्षेत्र	उद्योग	सेवा क्षेत्र
कृषि	मध्यम उद्योग	महिला शिक्षा
पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन		स्वास्थ्य सेवाएं
सिंचाई योजनाएं		सूचना प्रोद्यौगिकी
लघु वनोपज		उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा
खनिज संसाधन		

2.3 जिला दृष्टि

बी.आर.जी.एफ. योजनान्तर्गत पंचवर्षीय (वर्ष 2012–2017) नियोजन हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित विभिन्न चर्चा सत्रों के दौरान हितग्राहियों ने अपने विचार एवं क्षेत्र के पिछड़ेपन के कारणों को व्यक्त किया। आमतौर पर गरीबी, बीमारी और जीवन–यापन में बढ़ती लागत जैसी मुख्य समस्याओं को विचार–विमर्श में मुख्य मुद्दा बनाया गया है। बदलाव के लिए संघर्ष, शिक्षा, पशुधन और सामाजिक रिवाज तथा पंचायती राज के बुनियादी ढ़ाँचे के विकास पर चर्चा केन्द्रित कर विभिन्न गतिविधियों का प्राथमिकता के आधार पर चयन किये जाने का प्रयास किया जाना है। क्षेत्र अनुसूचित जनजाति बाहुल्य होने के कारण उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं आंगनवाड़ियों को बढ़ाने के

प्रयास, ग्रामों के विद्युतिकृत होना एवं हर स्तर में क्षमता विकास के प्रयास के अवसर को चिन्हित कर बी.आर.जी.एफ. योजना में प्राथमिकता के आधार पर नियोजित करना आवश्यक है।

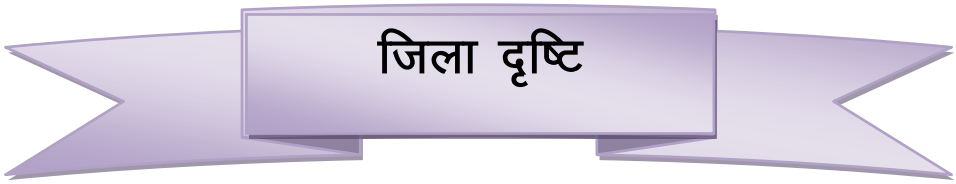

जिले में पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों जैसे खनिज, वन, नदियों एवं कृषि भूमि का समुचित उपयोग एवं अधोसंरचना विकास के माध्यम से अधिकाधिक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना।

2.4 जिले के विभिन्न विकासखण्डों की ताकतों, कमजोरियों, अवसरों एवं खतरों का तुलनात्मक विश्लेषण

जिले के सामाजिक, भौगोलिक एवं आर्थिक क्षेत्रों से संबंधित तथ्यों का विश्लेषण करने से यह प्रतीत होता हैं कि जिले के विभिन्न विकासखंडो में लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियां कमोवेश एक जैसी है। अपितु कुछ मापदण्डो पर विभिन्न विकासखंड आपस में एक दूसरे से भिन्न है।

ब्यौहारी विकासखंड

ब्यौहारी विकासखंड में दो नगर पंचायते ब्यौहारी एवं खांड में स्थित है। यहॉ विरान ग्रामों की संख्या सबसे अधिक 30 है। इस विकासखंड में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति का प्रतिशत सबसे अधिक 8.61 प्रतिशत है। यहॉ की जनसंख्या वृद्धि दर (वर्ष 1991–2001 में) सबसे कम 6.44 प्रतिशत थी। स्वास्थ्य सेवाओं की अधोसंरचना में कमी यहॉ की कमजोरी है। इस विकासखंड में द्विफसलीय क्षेत्र सबसे अधिक 10132 हेक्टेयर एवं

शुद्ध सिंचित क्षेत्र सबसे अधिक 8990 हेक्टेयर है, जो इस विकासखण्ड को स्पष्ट ताकत प्रदान करता है। विकासखंड में शासकीय स्रोतों से निर्मित कुल सिंचित क्षेत्र सबसे अधिक 6935 हेक्टेयर है। विकासखंड में प्रति सौ वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई सबसे अधिक 49 कि.मी. है। ऑगनवाडियों में गर्भवती माताओं एवं 0–6 वर्ष के बच्चों की संख्या सबसे कम है, जो इस विकासखण्ड की कमजोरी है। यहॉ नलकूप सुविधायुक्त ग्रामों की संख्या कम है। यहॉ प्राथमिक कृषि साख समितियों की संख्या अच्छी है, परंतु साख समितियों द्वारा वितरित ऋण कम है। इस विकासखंड में डाक एवं तार व्यवस्था अच्छी है। इस विकासखंड में विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या कुल आबाद ग्रामों की संख्या से कम है, जो विकासखण्ड के विकास में बाधा है। साप्ताहिक हाट बाजार की संख्या बहुत कम है। ब्यौहारी विकासखंड में मिट्टी (क्ले) की सर्वाधिक खाने है। पेंट के कारखाने शहडोल जिले में लगाये जाने की अच्छी संभावना है, जो इस विकासखण्ड में उद्योग स्थापित करने के अवसर प्रदान करती है।

जयसिंहनगर विकासखंड

जयसिंहनगर विकासखंड में एक नगर पंचायत है एवं सबसे अधिक 204 ग्राम है। यहॉ का भौगोलिक क्षेत्रफल सबसे अधिक 1509 वर्ग कि.मी. है। इस विकासखंड में शालाओं की संख्या अच्छी है। इस विकासखंड में सबसे अधिक वन भूमि क्षेत्रफल है। विकासखंड में पशुधन की संख्या अच्छी है, जो दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों को पैदा करता है। ऑगनवाडियों की संख्या कुल आबाद ग्रामों की संख्या से कम है। इस विकासखंड में नलकूप सुविधायुक्त ग्राम सबसे अधिक है।

गोहपारु विकासखंड

गोहपारू विकासखंड में एक भी नगर पंचायत एवं नगर पालिका नही है। यहॉ ग्रामों की संख्या पूरे जिले की तुलना में सबसे कम 125 है। वर्ष 2007–2008 में यहॉ की औसत वर्षा दूसरे विकासखंडों की तुलना में सबसे कम 837 मि.मी. थी। यहॉ पर ग्रामीण जनसंख्या सबसे कम निवासरत् है। इस विकासखंड में कुल जनसंख्या से अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत सबसे अधिक 63.18 प्रतिशत है। इस विकासखंड में शालाओं एवं महाविद्यालय की संख्या कम है, जो साक्षरता के क्षेत्र को कमजोर करता है। यहॉ प्रति लाख जनसंख्या पर शैयाओं की संख्या सबसे कम है तथा सबसे कम चिकित्सा अधिकारी

एवं स्वास्थ्य कर्मचारी पदस्थ है। स्वास्थ्य अधोसंरचना में कमी यहॉ की कमजोरी है। स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार के अवसर इस विकासखंड की आवश्यकता है। इस विकासखंड में शासकीय स्त्रोतों से निर्मित कुल सिंचित क्षेत्र सबसे कम 817 हेक्टेयर है, जो कि इस विकासखण्ड के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए खतरे के रूप में देखा जा सकता है। पशु चिकित्सा सेवा एवं पशुधन की संख्या अन्य विकासखंडों की तुलना में कम है। कच्ची सड़कों की संख्या सबसे कम है। ऑगनवाडियों की संख्या कुल आबाद ग्रामों की संख्या में कम है। विकासखंड में उचित मूल्य दुकानों की संख्या सबसे कम अर्थात् 49 है। विकासखंड में डाक एवं तार व्यवस्था की कमी है, जो संचार के क्षेत्र में विकासखण्ड को कमजोर करती है। यहॉ सामुदायिक सेवा केन्द्रों की संख्या भी कम है। इस विकासखंड में विद्युतीकरण की स्थिति अच्छी है। व्यवसायिक एवं सहकारी क्षेत्र के बैंक की संख्या कम है, जो क्षेत्र के वाणिज्य व्यापार में प्रमुख बाधा है।

सोहागपुर विकासखंड

सोहागपुर विकासखंड में शहडोल जिले का मुख्यालय स्थित होने के कारण सभी महत्वपूर्ण शासकीय विभागों के कार्यालय इसी विकासखण्ड में स्थित है। यहॉ शहडोल नगर पालिका भी स्थित है। यहॉ पर सबसे अधिक ग्रामीण जनसंख्या है। यहॉ का भौगोलिक क्षेत्रफल सबसे कम 778 हेक्टेयर वर्ग कि.मी. है। इस विकासखंड में लिंगानुपात सबसे कम 964 है एवं जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक 233 प्रति वर्ग कि.मी. है। विकासखंड में सबसे अधिक ग्रामीण साक्षर है। यहॉ महाविद्यालयों की संख्या भी अच्छी है। यहॉ पर प्रति लाख जनसंख्या पर 147 शैयाओं की संख्या है, जो अन्य विकासखंडों की तुलना में सबसे अधिक है एवं इस विकासखंड की ताकत है। इस विकासखंड में निजी स्रोतों से सिंचित क्षेत्र सबसे अधिक 3082 हेक्टेयर (17.69 प्रतिशत) है। विकासखंड में पूरे जिले की संपूर्ण 3 गैर कृषि साख समितियॉ है। इस विकासखंड में लघु उद्योगों की संख्या अच्छी है, जिनमें वनोपज पर आधारित एवं पांरपरिक दोनों श्रेणी के उद्योग स्थापित है। इस विकासखंड में रोजगार का प्रतिशत सबसे कम 38.37 है। सोहागपुर विकासखंड में डोलोमाईट भी बहुतायत में पाया जाता है। जिले में पत्थर को काटने एवं चमकाने के कारखानों को लगाये जाने की भी अच्छी संभावना है, जो इस विकासखण्ड को अवसर प्रदान करते है।

बुढ़ार विकासखंड

बुढ़ार विकासखंड में धनपुरी नगर पालिका स्थित है। यहॉ ग्राम पंचायतों की संख्या सबसे अधिक 102 है। यहॉ एक ग्राम 10000 से अधिक जनसंख्या वाला है। इस विकासखंड में शालाओं की संख्या अच्छी है। यहॉ 3 एलोपैथिक चिकित्सालय/औषधालय संचालित है एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा उप स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या क्रमशः 7 और 48 है, अर्थात् स्वास्थ्य सेवाओं का अच्छा अद्योसंरचना है। इस विकासखंड में धान की पैदावार सबसे अधिक है परंतु द्विफसलीय क्षेत्र सबसे कम 3114 हेक्टेयर है। इस क्षेत्र का शुद्ध सिंचित क्षेत्र भी सबसे कम 982 हेक्टेयर (2.42 प्रतिशत) है, जो इस विकासखण्ड को कृषि के क्षेत्र में कमजोर करता है। यहॉ कुक्कुट की संख्या अच्छी है इसलिए कुक्कुट पालन के अच्छे अवसर है। यहॉ नलकूप एवं कुओं की संख्या सबसे कम तथा तालाबों की संख्या अच्छी है। कच्ची सड़कों की संख्या अधिक है। इस विकासखंड में प्रति सौ वर्ग कि. मी. क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई सबसे कम 26 कि.मी. है। ऑगनवाडियों की संख्या कुल ग्रामों की संख्या की तुलना में अधिक है। यहॉ उचित मूल्य दुकानों की संख्या अच्छी है। इस विकासखंड में विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या कुल आबाद ग्रामों की तुलना में बहुत कम है। इस विकासखंड में रोजगार का प्रतिशत अन्य विकासखंड की तुलना में सबसे अधिक है।